Toppersnotes®
Unleash the topper in you

REET

राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा

Board of Secondary Education, Rajasthan (RBSE)

भाग - 6

Level - II (कला वर्ग)

राजस्थान का भूगोल एवं संसाधन

SIERRA INNOVATIONS

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
1	राजस्थान का भौतिकीय स्वरुप	1
2	संभाग एवं जिला परिदृश्य	4
3	राजस्थान का भौगोलिक विभाजन	21
4	राजस्थान की जलवायु	32
5	प्रमुख नदियाँ एवं झीलें	43
6	राजस्थान में मृदा	64
7	प्रमुख सिंचाई परियोजना एवं जल संरक्षण तकनीकें	68
8	कृषि प्रमुख फसलें उत्पादन व वितरण	84
9	राजस्थान के खनिज तत्व	92
10	ऊर्जा संसाधन	109
11	परिवहन	118
12	प्रमुख उद्योग	122
13	जनसंख्या परिदृश्य	147
14	राजस्थान में पर्यटन	150
15	राजस्थान में वनस्पति एवं वन	180
16	स्थानीय स्वशासन और पंचायती राज	185
17	राजस्थान में जिला प्रशासन	199

1 CHAPTER राजस्थान का भौतिकीय स्वरुप

- राजस्थान भौगोलिक दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य है। राजस्थान का **क्षेत्रफल 3,42,239 वर्ग किमी** है, जो देश के क्षेत्रफल का **10.41%** भाग है।

(2nd Grade Teach, Electrician Instructor 2019)

- राजस्थान की आकृति **विषमकोणीय चतुर्भुज / रोम्बस / पतंगाकार** के समान है। राजस्थान से **अंतर्राजीय** एवं **अन्तर्राष्ट्रीय** दोनों प्रकार की **सीमा** लगती हैं।

(Pol Const – 2022, JEN – ME - 2022)

राजस्थान की भौगोलिक उत्पति

Forest Guard-2022

राजस्थान की भू-गर्भिक संरचना भारत के अन्य प्रदेशों की तुलना में विशिष्ट है। विश्व के संदर्भ में राजस्थान का निर्माण **गोंडवानालैण्ड** व **टेथिस सागर** से हुआ है।

REET L-1, L-2 -2022)

- राजस्थान में टेथिस सागर का भाग - पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश और पूर्वी मैदानी प्रदेश ।
- राजस्थान में गोडवाना का भाग - अरावली व दक्षिणी - पूर्वी पठारी प्रदेश ।

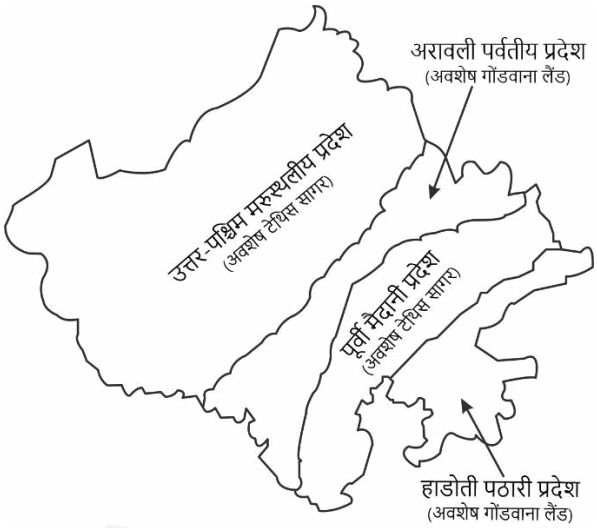

राजस्थान की भौगोलिक स्थिति

a. विश्व के सन्दर्भ में राजस्थान स्थिति -

अक्षांशीय व देशांतरीय विस्तार 23° 03' उत्तरी अक्षांश से 30° 12' उत्तरी अक्षांश और 69° 30' पूर्वी देशांतर से 78° 17' पूर्वी देशांतर के बीच स्थित है । राजस्थान अक्षांशीय स्थिति के अनुसार उत्तरी गोलार्द्ध में तथा देशांतरीय स्थिति के अनुसार पूर्वी गोलार्द्ध में स्थित है । अतः वैश्विक मान-चित्रानुसार राजस्थान के स्थिति **उत्तर पूर्वी (ईशान दिशा)** की ओर है।

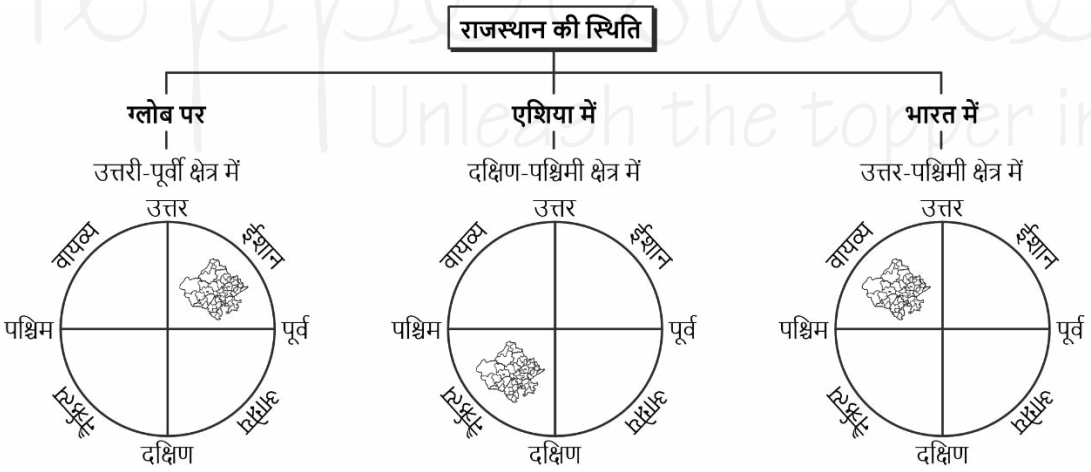

एशिया महाद्वीप के सन्दर्भ में राजस्थान की स्थिति -

एशिया महाद्वीप के मानचित्र में राजस्थान की स्थिति **दक्षिण - पश्चिम (नैऋत्य दिशा)** की ओर है।

b. भारत के सन्दर्भ में राजस्थान की स्थिति –

(JEN ME -2022, ASO – 2016)

भारत के भोगोलिक दृष्टि से राजस्थान **उत्तर - पश्चिम (वायव्य दिशा)** में स्थित है।

राजस्थान का भौगोलिक विस्तार

- राजस्थान राज्य का अधिकांश भाग **कर्क रेखा (23⁰ 3′ उत्तरी अक्षांश रेखा)** के **उत्तर** में स्थित है। राजस्थान का **उत्तर से दक्षिण** की ओर **विस्तार 826 किलोमीटर** है जबकि **पूर्व से पश्चिम** ओर यह **विस्तार 869 किलोमीटर** है।

(JEN ME -2018, 2nd Grade Sanskrit – 2019, BCI - 2022)

- राजस्थान की **पूर्व से पश्चिमी** व **उत्तर से दक्षिण** की लम्बाई में कुल अंतर **43 किमी** है।

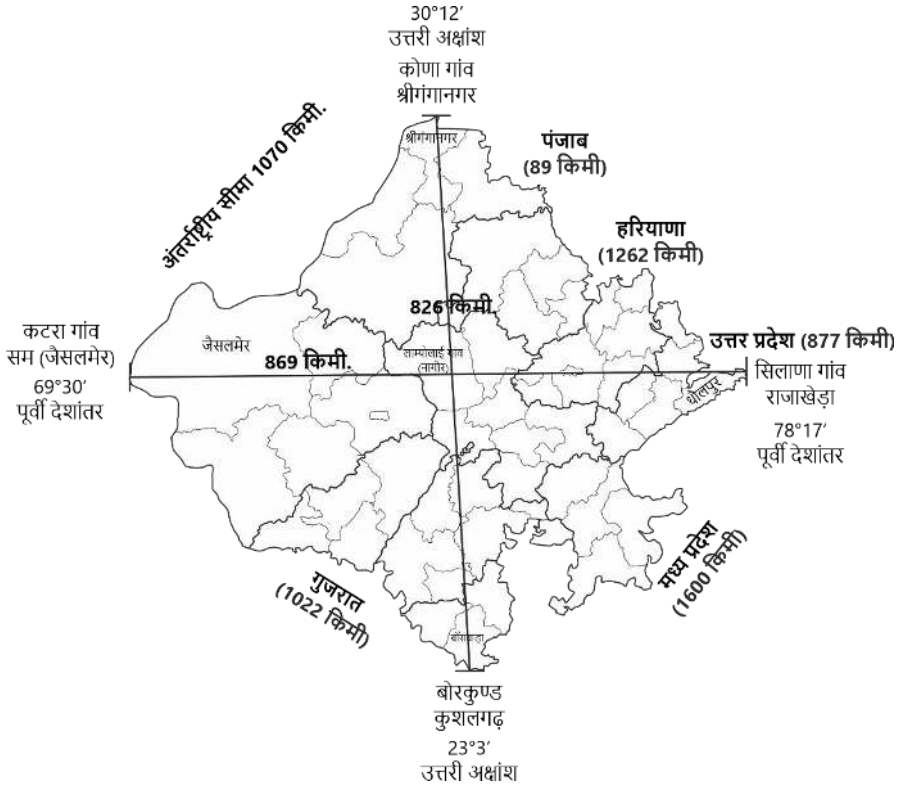

- राजस्थान की **उत्तर-पश्चिम** से **दक्षिण-पूर्व** की ओर **लम्बाई 850 किमी** है। राजस्थान की **उत्तर-पूर्व** से **दक्षिण-पश्चिम** की ओर **लम्बाई 784 किमी** है। राजस्थान की **उत्तर-पश्चिम** से **दक्षिण-पूर्व** तथा **उत्तर-पूर्व** से **दक्षिण-पश्चिम** की लम्बाई में कुल अंतर **66 किमी** है।
- राज्य का सबसे **उत्तरी बिंदु** गंगानगर ज़िले के **कोणा गांव** में तथा सबसे **दक्षिणी बिंदु** बांसवाड़ा ज़िले की **कुशलगढ़ तहसील** के **बोरकुंड गांव** में है।
- राज्य का सबसे **पश्चिमी बिंदु** जैसलमेर ज़िले **सम तहसील** के **कटरा गांव** में तथा सबसे **पूर्वी बिंदु** धौलपुर ज़िले **राजाखेड़ा तहसील** के **सिलावट गांव** में है।
- राजस्थान का मध्यवर्ती केंद्र बिंदु **लाम्पोलाई गांव (नागौर)** है।
- **कर्क रेखा** (23^0 3′ उत्तरी अक्षांश रेखा) राज्य के **डूंगरपुर जिले** की **दक्षिणी सीमा** से होती हुई **बाँसवाड़ा जिले** के लगभग **मध्य से** गुजरती है।

(JEN - ME 2020)

राजस्थान की सीमा विस्तार

राजस्थान की कुल **स्थलीय सीमा** की लंबाई **5,920 किलोमीटर** है। राजस्थान की सीमा रेखा को हम **दो भागों** में विभाजित करते है

Jr. Scientific Asst.(Phy)-2019

1. अंतरराष्ट्रीय स्थलीय सीमा
2. अंतर्राज्यीय स्थलीय सीमा

1. अंतरराष्ट्रीय स्थलीय सीमा - राजस्थान के साथ लगने वाली **अंतरराष्ट्रीय स्थलीय सीमा** को **रेडक्लिफ रेखा** के नाम से जाना जाता है जो पाकिस्तान देश से लगती है जिसकी कुल लम्बाई **1070 किमी** है। (**भारत** और **पाकिस्तान** के मध्य स्थित अंतर्राष्ट्रीय सीमा **3323 किमी** है।) यह सीमा श्रीगंगानगर **हिन्दुमल कोट** से बाड़मेर के **शाहगढ़** तक फैली हुई है।

(Forest Guard -2022

अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगने वाले **राजस्थान के जिले** – श्रीगंगानगर +अनूपगढ़(210 किमी), बीकानेर (168 किमी), जैसलमेर (464 किमी), बाड़मेर (228 किमी) ।

(JEN – 2020)

राजस्थान के साथ लगने वाले **पकिस्तान के प्रान्त - पंजाब** (जिले - बहावलनगर, बहावलपुर, रहीमयारखानपुर) और **सिंध** (घोटकी, सुक्कुर, संघर, खैरपुर, उमरकोट, थारपाकर) प्रान्त।

2. अंतर्राज्यीय स्थलीय सीमा - राजस्थान की अंतर्राज्यीय स्थलीय सीमा की कुल लम्बाई 4850 किमी जो की देश के 5 राज्यों से लगती है।

राजस्थान के पडोसी राज्यों के साथ सीमा	राजस्थान के जिले	पडोसी राज्यों के जिले
पंजाब (89 किमी) दिशा – उत्तर	श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ (कुल - 2 जिले)	फाजिल्का, मुक्तसर (कुल - 2 जिले)
हरियाणा (1262 किमी) दिशा - उत्तर-पूर्व	हनुमानगढ़, चूरू, झुन्झुनू, नीमकाथाना, कोटपुतली - बहरोड़, खैरथल - तिजारा, अलवर व डीग (कुल - 8 जिले)	सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवनी, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, नूँह (कुल - 7 जिले)
उत्तर प्रदेश (877 किमी) दिशा – पूर्व	डीग, भरतपुर, धौलपुर, (कुल - 3 जिले)	मथुरा, आगरा (कुल - 2 जिले)
मध्य प्रदेश (1600 किमी) दिश - दक्षिण-पूर्व	धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर, कोटा, बाराँ, झालावाड़, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, प्रतापगढ़ व बाँसवाड़ा (कुल - 10 जिले)	मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, राजगढ़, अगर मालवा, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ (कुल - 10 जिले)
गुजरात (1022 किमी) दिशा - दक्षिण-पश्चिम	बाँसवाड़ा, डूंगरपुर उदयपुर, सिरोही, सांचौर व बाड़मेर (कुल - 6 जिले)	दाहोद, माही सागर,अरावली, साबरकांठा, बनासकांठा, कच्छ का रन (कुल - 6 जिले)

सीमा से सम्बंधित महत्वपूर्ण तथ्य - (केवल राजस्थान के संदर्भ में)

- रेडक्लीफ रेखा के साथ सर्वाधिक सीमा **राजस्थान** की लगती है।
- रेडक्लीफ के सर्वाधिक दूर राजधानी मुख्यालय **जयपुर** है।
- रेडक्लीफ के साथ सर्वाधिक सीमा **जैसलमेर** जिले की लगती है। **(JEN EE – 2020)**
- रेडक्लीफ के सर्वाधिक नजदीक जिला मुख्यालय **अनूपगढ़** जिला है।
- हरियाणा के साथ सर्वाधिक सीमा **हनुमानगढ़** जिले की लगती है।
- हरियाणा के साथ सबसे कम सीमा **अलवर** जिले की लगती है।
- उत्तरप्रदेश के साथ सर्वाधिक सीमा **भरतपुर** जिले की लगती है।
- उत्तरप्रदेश के साथ सबसे कम सीमा **डीग** जिले की लगती है।
- मध्यप्रदेश के साथ सर्वाधिक सीमा **झालावाड़** जिले की लगती है। **2nd Grade Teacher-2017**
- मध्यप्रदेश के साथ सबसे कम सीमा **भीलवाडा** जिले की लगती है।
- गुजरात के साथ सर्वाधिक सीमा **उदयपुर** जिले की लगती है।
- गुजरात के साथ सबसे कम सीमा **बाड़मेर** जिले की लगती है।
- **चितौडगढ़** (विखंडित रूप से) और **कोटा** (अविखंडित रूप से) **मध्यप्रदेश** के साथ **दो बार** सीमा साझा करते है।
- वर्तमान में केवल **चितौडगढ़** ही एकमात्र विखंडित जिला है। (अजमेर पुनर्गठन के बाद विखंडित जिला नहीं रहा)
- **सीमा विवाद** - बाँसवाड़ा में स्थित मानगढ़ क्षेत्र को लेकर राजस्थान और गुजरात में विवाद।
- राजस्थान के **28** परिधीय और **22** अन्तर्वर्ती जिले है।
- कुल अंतर्राज्यीय सीमावर्ती जिले - 25
- केवल अंतर्राज्यीय सीमावर्ती जिले - 23
- पूर्णत: अंतरराष्ट्रीय सीमावर्ती जिले - 3 (अनूपगढ़, बीकानेर, जैसलमेर)
- अंतर्राज्यीय + अंतरराष्ट्रीय सीमावर्ती जिले - 2 (श्रीगंगानगर, बाड़मेर) **House Keeper-2022**
- राजस्थान के **22 जिले** अन्तर्वर्ती जिले है।
- राजस्थान के **4 जिले** जो दो- दो राज्यों के साथ सीमा साझा करते है
  1. हनुमानगढ़ - पंजाब + हरियाणा
  2. डीग - हरियाणा + उत्तरप्रदेश
  3. धौलपुर - उत्तरप्रदेश + मध्यप्रदेश
  4. बाँसवाड़ा - मध्यप्रदेश + गुजरात
- **सर्वाधिक जिलों** के सीमा बनाने वाला जिला - **जयपुर ग्रामीण** (10 जिलों के साथ - जयपुर शहर, अलवर, कोटपुतली-बहरोड़, नीमकाथाना, सीकर, डीडवाना-कुचामन, अजमेर, दूदू, टोंक, दौसा)
- राज्य के दो जिले **जयपुर शहर** और **जोधपुर शहर** जो पूर्णत: **एक जिला सीमा क्षेत्र** से **स्थलरुद्ध** हैं।
  - **जयपुर शहर** जो की **जयपुर ग्रामीण** जिले की सीमा से **पूर्णत: स्थलरुद्ध** है।
  - **जोधपुर शहर** जो की **जोधपुर ग्रामीण** जिले की सीमा से **पूर्णत: स्थलरुद्ध** है।
  - अत: इन दोनों जिलों की सीमा सबसे कम जिलों (1 जिले) से लगती है।

2 CHAPTER संभाग एवं जिला परिदृश्य

- **रामलुभाया कमेठी** की सिफारिशों से **17 मार्च 2023** को **मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत** ने **3 नए संभाग** एवं **19 नए जिले** बनाने कि घोषणा की। वर्तमान समय में राजस्थान में **10 संभाग** एवं **50 जिलें** हो गए है।
- वर्तमान में राजस्थान **सर्वाधिक जिलों** के मामले में **देश** में **उत्तरप्रदेश (75)** व **मध्य प्रदेश (55)** के बाद **तीसरे स्थान** पर है।

नोट - मुख्यमंत्री ने **6 अक्टूबर, 2023** को **मालपुरा, सुजानगढ़, कुचामन सिटी** ओर तीन **नए ज़िले** बनाने की घोषणा की है (प्रस्तावित) अगर ये तीनों जिले बनते है तो भविष्य में राजस्थान में **कुल 53 जिले** हो जायेंगे।]

- **नवीनतम संभाग** - सीकर, बाँसवाड़ा, पाली **(IA-2024)**
- **नवीनतम जिले** - अनूपगढ़, गंगापुर सिटी, कोटपूतली, बालोतरा, जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, खैरथल, ब्यावर, नीमकाथाना, डींग, जोधपुर शहर, जोधपुर ग्रामीण, फलौदी, डीडवाना, सलूंबर, दूदू, केकड़ी, सांचौर और शाहपुरा

राजस्थान के संभाग -

- नए संभाग एवं जिलों की घोषणा के बाद अब राजस्थान के **50 जिलों** को **प्रशासनिक दृष्टि** से कुल **10 संभागों** में विभाजित किया गया है
- वर्ष 1949 में **हीरालाल शास्त्री सरकार** ने राजस्थान में **संभागीय व्यवस्था** शुरूआत की गई थी।
- **मोहनलाल सुखाडिया सरकार** ने **अप्रैल, 1962** में **संभागीय व्यवस्था** को समाप्त कर दिया गया। **(RAS -2015)**
- **हरिदेव जोशी सरकार** ने **5 जनवरी, 1987** में संभागीय व्यवस्था को पुन: शुरू की। 1987 में राजस्थान का छठा संभाग अजमेर को बनाया गया। **(JEN- ME -2022)**

क्र.स.	संभाग	गठन वर्ष	ज़िले
1	**जयपुर**	1949	जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, दूदू, कोटपूतली-बहरोड़ दौसा, खैरथल - तिजारा , अलवर (7 जिले)
2	**जोधपुर**	1949	जोधपुर, जोधपुर ग्रामीण, फलौदी, जैसलमेर, बाड़मेर, बालोतरा (6 जिले)
3	**बीकानेर**	1949	बीकानेर, अनूपगढ़, हनुमानगढ़, गंगानगर (4 जिले)
4	**उदयपुर**	1949	उदयपुर, भीलवाडा, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, सलूम्बर (5 जिले)
5	**कोटा**	1949	कोटा, बूँदी, बारां , झालावाड़ (4 जिले)
6	**अजमेर** **(VDO-2021)**	1987	अजमेर, ब्यावर, केकड़ी, नागौर, टोंक, डीडवाना-कुचामन, शाहपुरा (7 जिले)
7	**भरतपुर**	2005	भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, डीग, गंगापुर सिटी (6 जिले)
8	**पाली**	2023	पाली, सांचौर, जालौर, सिरोही (4 जिले)
9	**बाँसवाड़ा**	2023	बाँसवाड़ा , डूंगरपुर, प्रतापगढ़ (3 जिले)
10	**सीकर**	2023	सीकर, झुंझुनू, चुरू, नीमकाथाना (4 जिले)

- सर्वाधिक जिलों वाले संभाग - जयपुर (7), अजमेर(7), जोधपुर(6), भरतपुर(6), उदयपुर(5)
- न्यनतम जिलों वाले संभाग - बाँसवाड़ा (3), कोटा(4),पाली (4), सीकर(4) बीकानेर (4)

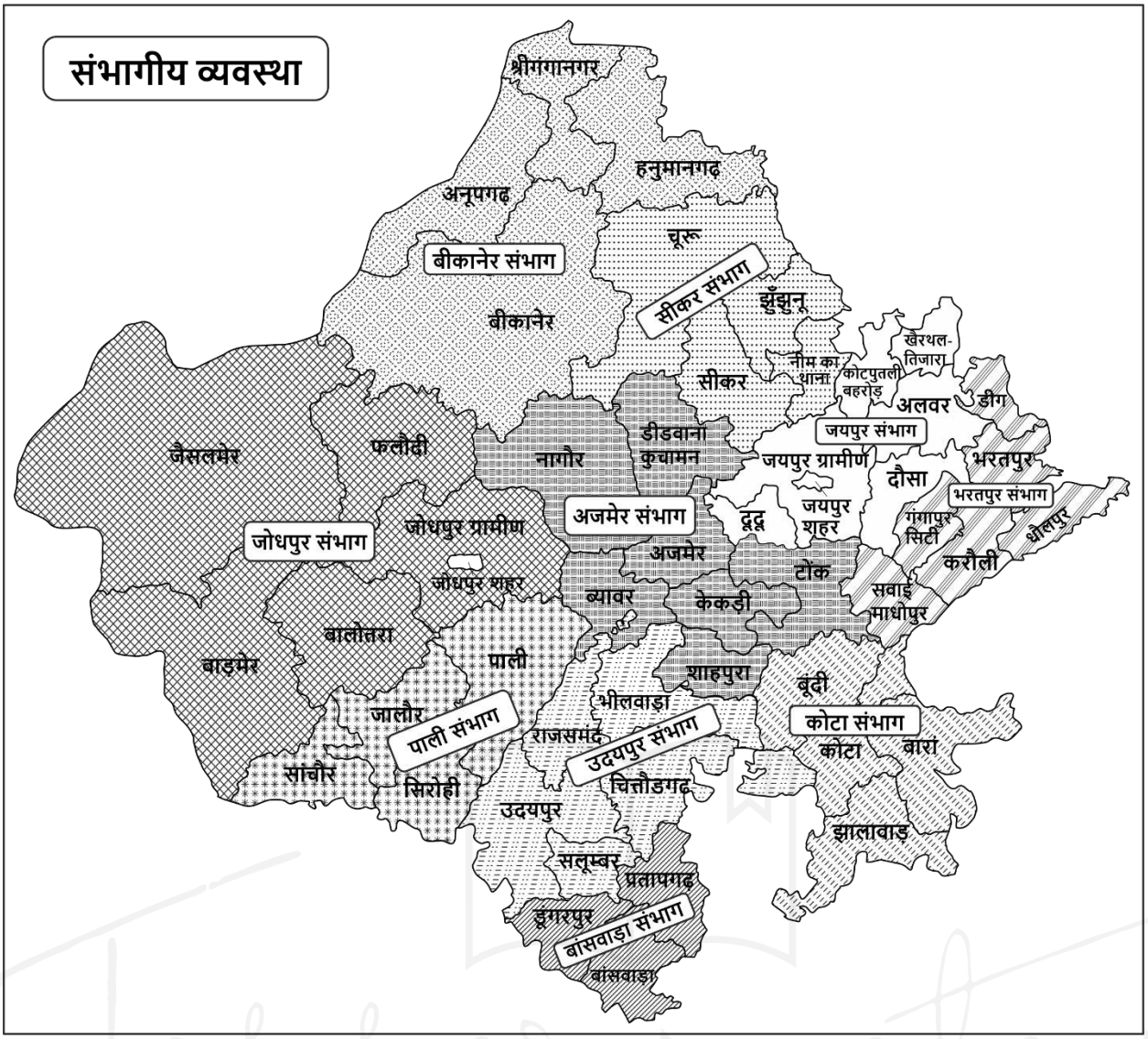

1. **जयपुर संभाग** -
नवीनतम जिलों के गठन के बाद अब **जयपुर संभाग** में **7 जिलों** को शामिल किया गया है तथा कुछ जिलों **(सीकर, झुंझुनू)** को जयपुर संभाग से हटाकर नए संभाग **(सीकर)** में शामिल किया गया है। जयपुर संभाग के अन्तर्गत आने वाले जिले निम्नलिखित है -
   - जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, दूदू, कोटपूतली-बहरोड़ दौसा, खैरथल - तिजारा, अलवर

     (जेल प्रहरी – 2017, 2018)
   - पूर्व जयपुर क्षेत्र से निम्नलिखित **निम्नलिखित जिले** बनाये गए
     - जयपुर शहर (पूर्व जयपुर क्षेत्र का शहरी भाग)
     - जयपुर ग्रामीण (पूर्व जयपुर क्षेत्र का ग्रामीण क्षेत्र + आशिक रूप से कुछ शहरी क्षेत्र से)
     - कोटपुतली बहरोड़ (पूर्व जयपुर क्षेत्र + अलवर क्षेत्र से अलग करके)
     - दूदू (पूर्व जयपुर क्षेत्र से अलग करके)

     (i) जयपुर शहर (नवीनतम जिला) -
       - इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **4 तहसीलों (आंशिक)** को शामिल किया है -
         - ✓ **जयपुर** (जयपुर का नगर निगम जयपुर (हेरिटेज) एवं नगर निगम जयपुर (ग्रेटर) के अन्तर्गत आने वाला समस्त भाग)
         - ✓ **कालवाड़** (नगर निगम जयपुर ग्रेटर अन्तर्गत आने वाला समस्त भाग)
         - ✓ **आमेर** (आमेर का नगर निगम जयपुर (हेरिटेज) के अन्तर्गत आने वाला समस्त भाग)
         - ✓ **सांगानेर** (सांगानेर का नगर निगम जयपुर (ग्रेटर) के अन्तर्गत आने वाला समस्त भाग)
       - जयपुर अपनी **समृद्ध भवन निर्माण-परंपरा, सरस-संस्कृति** और **ऐतिहासिक महत्व** के लिए प्रसिद्ध है।
       - यह जिला पूर्णत: जयपुर ग्रामीण जिले से सीमा बंद है
       - राज्य का राजधानी मुख्यालय
       - इसे '**गुलाबी नगरी**' या '**पिंक सिटी**' भी कहा जाता है (स्टैनली रीड ने)
       - डॉ. सीवी रमन ने जयपुर को **आईलैंड ऑफ़ ग्लोरी (रंग श्री द्वीप)** कहा था।

       (PETE – 2023)

- **महाराजा जयसिंह द्वितीय** (आमेर नरेश) ने **वर्ष 1728** में **जयपुर शहर (हैरीटेज जयपुर)** की स्थापना की थी ।
- इस शहर के वास्तुकार विद्याधर भट्टाचार्य थे|
- **यूनेस्को** द्वारा **जुलाई 2019** में **जयपुर** को **वर्ल्ड हेरिटेज सिटी** का दर्जा दिया गया है ।
- जयपुर को भारत का **पेरिस** भी कहा जाता है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - हवामहल, जंतर-मंतर, आमेर दुर्ग, जयगढ़, नाहरगढ़, मोती डूँगरी किला, जलमहल, ईसरलाट, रामनिवास बाग, सिसोदिया रानी का बाग, कनक घाटी, खोले के हनुमानजी एवं अन्नपूर्णा माता रोपवे, चूलगिरि जैन तीर्थ, गलताजी तीर्थ स्थल, ताल कटोरा, गोविंद देवजी मंदिर आदि।

(ii) जयपुर ग्रामीण (नवीनतम जिला) -

इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **4 (आंशिक) + 14 तहसीलों** को शामिल किया है -

- **4 तहसील (आंशिक)**
  - ✓ **जयपुर** (नगर निगम जयपुर हेरिटेज, नगर निगम जयपुर ग्रेटर के अन्तर्गत आने वाले भाग को छोड़कर शेष समस्त भाग)
  - ✓ **कालवाड़** (नगर निगम जयपुर ग्रेटर के अन्तर्गत आने वाले भाग को छोड़कर शेष समस्त भाग)
  - ✓ **सांगानेर** (नगर निगम जयपुर ग्रेटर के अन्तर्गत आने वाले भाग को छोड़कर शेष समस्त भाग)
  - ✓ **आमेर** (नगर निगम जयपुर हेरिटेज के अन्तर्गत आने वाले भाग को छोड़कर शेष समस्त भाग)
- **14 तहसील**
  - ✓ जालसू, बस्सी, तूंगा, चाकसू, कोटखावदा, जमवारामगढ़, आंधी, चौमू, फुलेरा, माधोराजपुरा, रामपुरा डाबड़ी, किशनगढ़ रेनवाल, जोबनेर, शांहपुरा
- जयपुर ग्रामीण में बहने वाली नदियों में बाणगंगा, ताल नदी, माधोवती नदी, और रोहडा नदी शामिल हैं
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल**- शीलतामाता चाकसू, चौमू का किला, गोनेर, सांभर झील (रामसर साइट), जमवारामगढ़ किला, सामोद हनुमानजी मदिर, माधोराजपुरा किला, ज्वाला माता, नरायणा दादू धाम, जगदीश मंदिर, ताला पीर की दरगाह, शांकभरी माता साँभर आदि

(iii) दूदू (नवीनतम जिला) -

- इस नए जिले का गठन **जयपुर** के पृथक कर के बयाना गया है।
- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **3 तहसीलों** को शामिल किया है -
  - ✓ दूदू, मौजमाबाद, फागी
- **मोजमाबाद** को **सन् 973 ई.** में **परमार शासक राजा मोंज** ने बसाया था।
- आमेर के राजा **मानसिंह प्रथम** का जन्म **मोजामाबाद** में **1550 ई** में हुआ था।
- यह राजस्थान का **सबसे छोटा** जिला है।
- राजस्थान का **पहला पंचायत मुख्यालय** जो सीधा **जिला** बन गया।
- दूदू जिले में सबसे कम **तीन तहसील**, **तीन थाने** और **एक पुलिस सर्किल** है।
- दूदू की पहली जिला कलेक्टर **डॉ अर्तिका शुक्ला** हैं और पहली एसपी **पूजा अवाना** हैं।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - भैराणा धाम (संत दादूदयालंजी का निर्वाण एवं समाधि स्थल), छापरवाड़ा बाँध, दूदू किला, मरवा किला, साखून किला, भतों की बावड़ी (मोजमाबाद), दिगंबर समाज का जैन मंदिर(गुफाओं का मंदिर), 52 परिवार की हवेली (मोजमाबाद) आदि ।

(iv) कोटपूतली-बहरोड़ (नवीनतम जिला) -

- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **8 तहसीलों** को शामिल किया है -
  - ✓ कोटपूतली, बहरोड़, बानसूर, नीमराना, मांढण, नारायणपुर, विराटनगर, पावटा
  - ✓ **पूर्व जयपुर क्षेत्र** से कोटपुतली, विराटनगर, पावटा और **अलवर से** बहरोड़, बानसूर, नीमराना, मांढण, नारायणपुर आदि को नवनिर्मित जिला **कोटपूतली - बहरोड़** में शामिल किया गया है
- इस जिले के एक बड़े क्षेत्र को आमतौर पर "**राठ**" के रूप में जाना जाता है
- **विराटनगर** तहसील का उल्लेख **प्राचीन भारतीय ग्रंथों** में **मत्स्य साम्राज्य** की **राजधानी** के रूप में मिलता है
- **विराटनगर** में पर **लघु शिलालेख** और **भाबरू शिलालेख** मिले है यहां खुदाई से प्राप्त **मुद्राओं** से **इंडो-ग्रीक शासन** के स्पष्ट संकेत मिलते है।
- यहां **मोर्य कालीन सभ्यता** के प्रमाण मिले है।
- **इस जिले की आकृति** आसमान में उड़ते हुए **सारस** जैसी लगती है
- यह **साबी नदी** का बहाव क्षेत्र भी है इसलिए इसे '**साबी-कांठा**' भी कहा जाता है

- यहां **बुचारा** और **बाबरिया** नाम से दो बाँध है।
- **बुचारा राजकीय तेंदुआ अभ्यारण्य** जिसकी घोषणा सन् 2023 में हुई है ।
- **कोटपूतली** में **एशिया** का सबसे बड़ा **सीमेंट का कारखाना** मौजूद है और **बहरोड़** में देश की सबसे बड़ी **ग्रीनलैम प्लाईवुड इंडस्ट्री** है।
- जोधपुरा सभ्यता – कोटपूतली-बहरोड़
- राज्य का सबसे बड़ा दुग्ध पैकिंग स्टेशन - कोटपूतली
- नीमराना में पारले-जी बिस्किट, रिचलाइट बिस्किट, हैवेल्स, हीरो बाइक प्लांट,डाइकिन एसी, सहित कई **छोटे-बड़े उद्योग** हैं।
- **भारत** के पूर्व प्रधानमंत्री **श्री अटल बिहारी वाजपेयी** मिडवे बहरोड़ में अपना **79 वॉ जन्मदिन** बनाया था।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - विराटनगर (प्राचीन नाम बैराठ, बौद्ध स्तूप-मौर्यकालीन अवशेष, गणेश डूँगरी, बीजक डूँगरी, भीम डूँगरी), नीमराणा किला,
- अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट - कोटपूतली

(v) दौसा -

- 10 अप्रैल 1991 को दौसा को जयपुर से अलग कर के नया जिला बनाया गया था **(जेल प्रहरी – 2017)**
- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **16 तहसीले** आती है
  - ✓ दौसा, नांगल राजावतान, निर्झरना, बैजूपाडा, बसवा, बहरावण्डा, बांदीकुई, मण्डावर महवा, रामगढ़ पचवारा, राहूवास, लवाण, लालसोट, सैंथल, सिकराय, कुण्डल **(Raj Pol. – 2022)**
- बड़गुर्जरों (गुर्जर प्रतिहार सम्राट मिहिर भोज प्रतिहार) ने आभानेरी मे स्थित चाँदबावडी का निर्माण करवाया था ।
- राजस्थान के **पहले निर्वाचित** मुख्यमंत्री **श्री टीकाराम पालीवाल** इसी जिले के निवासी थे।
- यहां **दूल्हेराय कछवाहा** ने **1137 ई.** में **बड़गूजरों** को हराया तथा **दौसा** को **कछवाहा वंश** की **प्रथम राजधानी** बनाई गई ।
- दौसा को **देवनगरी (देवगिरी)** के नाम से भी जाना जाता है।
- दौसा **संत सुन्दर दास जी** की **नगरी** होने से **राजस्थान सरकार** द्वारा उनका **पैनोरमा** बनाया गया हैं।
- दौसा जिले में बाँदीकुई महत्त्वपूर्ण जंक्शन है जो **जयपुर-दिल्ली-आगरा** के मध्य तीनों महानगरों को जोड़ता है।
- यहां की प्रमुख नदी **ढुढ नदी** और **मोरेल नदी** है।
- **बसवा, दौसा** के **टेरिकोटा** बर्तन व खिलौने प्रसिद्ध है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - हर्षद माता (सचिनी देवी) मंदिर, मेंहदीपुर बालाजी मंदिर, चांद बावड़ी-बावड़ी, झाझी रामपुरा, भंडारेज, लोटवाड़ा,बांदीकुई चर्च आदि

(vi) खैरथल तिजारा (नवीनतम जिला) -

- इस नए जिले का गठन **अलवर** के पृथक कर के बयाना गया है।
- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **7 तहसीलों** को शामिल किया है
  - ✓ खैरथल, तिज़ारा, किशनगढ़बास, कोटकासिम, हरसोली, टपूकडा, मंडावर
- खैरथल तिजारा को **राठ** व **मेवात** की **संगम स्थली** के नाम से भी जाना जाता है
- इस क्षेत्र को प्राचीनकाल **कायास्थल** नाम से जाना जाता था और **औरंगजेब** के **शासनकाल** में इसे **खैरीपत** नाम से भी जाना जाता था
- तिजारा में विश्व प्रसिद्ध **देहरा जैन मंदिर** स्थित है।
- खैरथल में राज्य **दूसरी** सबसे बड़ी **सरसों मंडी** स्थित है।
- राज्य का सबसे महत्वपूर्ण **इंडस्ट्रियल नगर** भिवाड़ी स्थित है जिसे **आधुनिक राजस्थान** का **मैनचेस्टर** कहा जाता है और यहां **नोट में इस्तेमाल** होने वाली **स्याही कारखाना** है।
- यहां राज्य का पहला ए**कीकृत औद्योगिक पार्क** टपूकड़ा (भिवाड़ी) में है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल**- तिजारा के महल, तिजारा जैन तीर्थ,अलीबक्श पैनोरमा मुण्डावर,,बीबीरानी माता का मंदिर, हिंगलाज माताजी आदि ।

(vii) अलवर

- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **12 तहसीले** आती है
- अलवर, गोविन्दगढ़, रैणी, लक्ष्मणगढ़, मालाखेड़ा, राजगढ़, टहला, रामगढ़, नौगावा, थानागाजी, प्रतापगढ़, कठूमर
- अलवर भारत के **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR)** में आता है
- अलवर को राजस्थान का **सिंह द्वार** भी कहते हैं।
- **अलवर** क्षेत्र को **महाभारत काल** में **मत्स्य** नाम से जाना जाता था। तथा इसे अन्य नाम से भी जाता था जैसे - अरवलपुर, उल्व', शालवापु', सलवार,हलवार आदि

- अलवर की स्थापना **वर्ष 1775** को **माचाडी** के **राव प्रताप** ने की थी।
- अलवर **कछवाहा राजवंश** द्वारा शासित रियासत रही है।
- अलवर को **राजस्थान** का **सिंह द्वार** भी कहते हैं।
- अलवर का किला जिसे **बालाकिला किला** नाम से भी जाना जाता है जिसका निर्माण **वर्ष 1492** में **हसन खान मेवाती** ने करवाया था।
- **वई क्षेत्र** - वर्तमान का **थाना गाज़ी** का क्षेत्र। इस क्षेत्र पर **शेखावत राजपूतो** का प्रभुत्व था।
- **नरुखंड़ क्षेत्र** - इस क्षेत्र पर **नरुका** और **राजावत राजपूतो** का प्रभुत्व हुआ करता था।
- **मेवात क्षेत्र** - इस क्षेत्र पर **मेव जाति** अधिक पाई जाती है इस वजह से यह **क्षेत्र मेवात** कहलाता है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल -** बालाकिला किला, भानगढ़ किला, अजबगढ़ किला, सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान, सरिस्का पैलेस, सिलीसेढ़ झील,फतहगंज का मकारा, पूर्जन विहार, अलवर सिटी पैलेस, विजय मंदिर झील, जय समन्द झील, कम्पनी बाग आदि।

2. बीकानेर संभाग

- नवीनतम जिलों के गठन के बाद अब **बीकानेर संभा**ग में **4 जिलों** को शामिल किया गया है तथा **चूरू जिले** को **बीकानेर संभाग** से हटाकर **नए संभाग (सीकर)** में शामिल किया गया है। बीकानेर संभाग के अन्तर्गत आने वाले जिले निम्नलिखित है -
  - बीकानेर, श्रीगंगानगर, अनूपगढ़, हनुमानगढ़
- इस संभाग का नवीनतम जिला **अनूपगढ़** है जो कि **श्रीगंगानगर** जिले अलग कर के बनाया गया है

(i) बीकानेर -

- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **10 तहसीले** आती है
  - बीकानेर, लूणकरणसर, नोखा, पूगल, श्रीडूंगरगढ़, कोलायत, हदा, बज्जू, छत्तरगढ़, खाजूवाला
- बीकानेर की स्थापना **वर्ष 1488** को **जोधपुर** के **महाराजा राव जोधा** के पुत्र **बीकाजी** ने की थी
- प्राचीनकाल में इस क्षेत्र को **जांगल प्रदेश** या **राती घाटी** के नाम से जाना जाता था। **(JEN Civil -2022)**
- बीकानेर में **सोथी, पूंगल, डाडाथोरा** प्राचिन सभ्यताएं है।
- यहा का गजनेर अभ्यारण्य **बटबट तीतर पक्षी (इम्पीरियल सेन्डगाउज, रेत का तीतर)** के लिए प्रसिद्ध है।
- **बीकानेर** में स्थित **महत्वपूर्ण केंद्र** -
  - ऊन काम्पलेक्स (औद्योगिक पार्क) -
  - स्टेट वुलन मिल्स लिमिटेड(ऊन कारखाना)
  - केन्द्रीय अश्व प्रजनन केन्द्र - जोहड़बीड़
  - केन्द्रीय ऊंट प्रजनन केन्द्र - जोहड़बीड़
  - राजस्थानी भाषा, संस्कृति एवं साहित्य विभाग का मुख्यालय
- **बीकानेर की प्रसिद्ध हस्तकला -** सुनहरी पॉटरी, लोई - नापासर, वियना व फारसी गलीचे, मथैरण कला,
- बीकानेर का **ऊट महोत्सव** विश्व प्रसिद्ध है जिसका आयोजन **जनवरी** में होता है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - जूनागढ़, लालगढ़ महल, लक्ष्मी निवास पैलेस, रामपुरिया हवेली, श्री करनी माता मंदिर, गजनेर पैलेस, सूरसागर, रुणिचा धाम मंदिर, कोडमदेसर भैरव मंदिर, बीकाजी की टेकरी, भांड़ासर के जैन मंदिर, लक्ष्मीनारायण जी मंदिर, देवीकुंड,कोलायत झील, पूनरासर बालाजी, गंगा गोल्डन जुबली म्यूजियम आदि

(ii) श्रीगंगानगर

- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **6 तहसीले** आती है
  - श्रीगंगानगर, श्रीकरणपुर, सूरतगढ़, सार्दुलशहर, पदमपुर, गजसिंहपुर
- राजस्थान का **अन्न का कटोरा** कहलाने वाले इस जिले का नाम **बीकानेर महाराज गंगा सिंह** के नाम पर रखा गया है।
- पहले **श्रीगंगानगर** को **रामनगर** या **रामू की ढाणी** कहा जाता था।
- यह शहर, सरसों, कपास, बाजरा, गन्ना, चना, और कीनू के लिए पूरे भारत में प्रसिद्ध है
- यह जिला **सिंचित कृषि क्षेत्र** में स्थित होने के कारण प्रमुख **व्यापारिक मंडी** तथा **यातायात केंद्र** हो गया है।
- **गंग नहर** को **श्रीगंगानगर** की **जीवन रेखा** कहा जाता है जिसका निर्माण **बीकानेर नरेश गंगासिंह** द्वारा **वर्ष 1927** में करवाया गया था।
- राजस्थान का **प्रथम सुपर थर्मल पावर प्लांट** श्रीगंगानगर के **सुरतगढ़** में स्थित है। (सूरतगढ़ तापीय विधुत परियोजना)
- श्री गंगानगर में **राज्य** का **छठा शुष्क बंदरगाह** बनाया गया है ।
- **रूस** के आर्थिक सहयोग से **15 अगस्त 1956** को **सूरतगढ़** में **एशिया** के **सबसे बड़े कृषि फार्म** की स्थापना की गई।
- राजस्थान में सबसे ज्यादा **धुल भरी आंधियां** इस जिले में चलती है ।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल -** हिंदुमलकोट बॉर्डर, बुद्ध जोहड़ गुरुद्वारा, पदमपुर आदि

(iii) हनुमानगढ़

- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **8 तहसीले** आती है

- हनुमानगढ़, टिब्बी, नोहर, पल्लू, पीलीबंगा, भादरा, रावतसर, संगरिया
- प्राचीन समय में इस प्रदेश को **यौधेय प्रदेश** के नाम से भी जाना जाता था।
- हनुमानगढ़ 12 जुलाई, 1994 को **श्रीगंगानगर ज़िले** से अलग करके **राजस्थान** का **31वां** बनाया गया है। **(Patwar – 2021)**
- इस नगर को **सन् 285 ई.** में **राजा भूपत सिंह भाटी** ने बसाया था।
- हनुमानगढ़ का **पुराना** नाम **भटनेर** था जो की **'भट्टीनगर'** का अपभ्रंश है, जिसका अर्थ है - **भट्टी** या **भाटीयों का नगर** से है।
- **बीकानेर** के **राजा सूरज सिंह** ने इसे **मंगलवार के दिन जीता** था तब इसका नाम **'हनुमानगढ़'** रखा गया।
- यहा **घग्घर नदी (सरस्वती)** बेसिन क्षेत्र में **हडप्पा कालीन** सभ्यता **कालीबंगा** विकसित हुई।
- यह एक **कृषि प्रधान जिला** है जहाँ किन्नू, कपास, गेहूं, चावल आदि की खेती प्रमुखता की जाती है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - भटनेर दुर्ग, श्री गोगाजी का मंदिर, गोगामेडी पैनोरमा, कालीबंगा, पीलीबंगा, माता भद्रकाली का मंदिर, मसितावली हेड (इंदिरा गाँधी नहर) आदि

(iv) अनूपगढ़ (नवीनतम जिला) -

- नवीनतम जिला अनूपगढ़ श्री गंगानगर जिले अलग करके बनाया गया है
- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **7 तहसीलों** को शामिल किया है
  - अनूपगढ़, रायसिंहनगर, श्रीविजयनगर, घड़साना, रावला
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल -** अनुपगढ़ किला, लैला मजनू की मजार, गुल्लू पीर बाबा की मज़ार, ब्रोर गांव (सिंधु घाटी सभ्यता के अवशेष) आदि

3. जोधपुर संभाग

- नवीनतम जिलों के गठन के बाद अब **जोधपुर संभाग** में **6 जिलों** को शामिल किया गया है तथा **पाली, जालौर, सिरोही, सांचौर** (नवीनतम जिला) जिलों को **जोधपुर संभाग** से हटाकर नए **संभाग पाली** में में शामिल किये गए है जोधपुर संभाग के अन्तर्गत आने वाले जिले निम्नलिखित है -
  - जोधपुर शहर, जोधपुर ग्रामीण, फलौदी, जैसलमेर, बाड़मेर, बालोतरा
  - पूर्व जोधपुर क्षेत्र से निम्नलिखित **निम्नलिखित जिले** बनाये गए
    - जोधपुर शहर (पूर्व जोधपुर क्षेत्र का शहरी भाग)
    - जोधपुर ग्रामीण (पूर्व जोधपुर क्षेत्र का ग्रामीण क्षेत्र + आशिक रूप से कुछ शहरी क्षेत्र से)
    - फलौदी
  - **बाड़मेर** से अलग कर के **बालोतरा** नाम से **नया जिला** बनाया गया है

(i) जोधपुर शहर (नवीनतम जिला) -

- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **2 तहसीलों** को शामिल किया है
  - **जोधपुर उत्तर** (नगर निगम के अन्तर्गत आने वाला समस्त भाग)
  - **जोधपुर दक्षिण** (नगर निगम के अन्तर्गत आने वाला समस्त भाग)
- यह जिला पूर्णत: **जोधपुर ग्रामीण** जिले से **सीमा बंद** है
- जोधपुर को **मरुस्थल का प्रवेश द्वार / सूर्यनगरी** कहा जाता है। **(JEN Civil – 2022, REET - 2022)**
- IIT जोधपुर राज. का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऑफ़ थिंग्स इनोवेशन हब की स्थापना की गयी [RAS 2023]
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** -
  - **दुर्ग/ छतरी/ झील/ बावड़ी/ हवेली** - मेहरानगढ़ दुर्ग,बिंजोलाई महल, कायलाना झील, माचिया सफारी पार्क, छीतर पैलेस, जसवंत थड़ा, सूरसागर महल, जवाहरखाना, गिरदीकोट, पुष्प नक्षत्र हवेली, पोकरण हवेली, राखी हवेली, पाल हवेली, बड़े मियां की हवेली, श्याम मनोहर प्रभु की हवेली, कविराजजी की हवेली, कागा की छतरियां, गोरा धाय की छतरी, बालसमंद झील, रानीसर-पदमसर तालाब, तापी बावड़ी आदि।
  - **प्रमुख मंदिर** - गंगाश्यामजी मंदिर, कुंजबिहारी मंदिर, राजरणछोड़जी मंदिर, अचलनाथ शिवालय, रसिक बिहारी मंदिर, तीजा माँजी का मंदिर, मूथाजी का मंदिर, ज्वालामुखी मंदिर, शिवकुण्ड, रातानाडा गणेशजी मंदिर, रामेश्वर महादेव, खरानना देवी मंदिर,जैन संबोधि धाम आदि
  - **मण्डोर क्षेत्र** - मण्डोवर भैंरूजी, देवताओं की साल, जनना महल, मंडोर उद्यान, एक थम्बा महल, मण्डोर संग्रहालय, पंचकुण्डा, रावण की चंवरी, नागादड़ी, राजाओं के देवल आदि

(ii) जोधपुर ग्रामीण (नवीनतम जिला) -

- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **10 तहसीलों** को शामिल किया है -
  - जोधपुर उत्तर, जोधपुर दक्षिण, (नगर निगम के अन्तर्गत आने वाला समस्त भाग को छोड़कर समस्त भाग) लूणी, बिलाड़ा, भोपालगढ़, पीपाड़सिटी, ओसियाँ, बावड़ी, शेरगढ़, बालेसर
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल**- सच्चियाय माता मंदिर (ओसियां), खांखू माता मंदिर पीपलाद माता (पीपाड़) मंदिर,आईमाता मंदिर-बिलाड़ा,खोखरी माता मंदिर, बाणगंगा तीर्थ, गुढ़ा बिश्नोईयां, कापरड़ा जैन तीर्थ, अरणा झरणा जलप्रपात, लोककला संग्रहालय,बड़ली भैरूजी मंदिर, तिंवरी,, शिलालेख घटियाला(प्रतिहार कालीन) आदि

(iii) फलौदी (नवीनतम जिला)

- इसे **जोधपुर क्षेत्र** से अलग कर के नया जिला बनाया गया है
- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **8 तहसीलों** को शामिल किया है -
  - फलौदी, लोहावट, आऊ, देचु, सेतरावा, बाप, घंटियाली, बापिणी
- राज्य का **सबसे गर्म जिला** (पहले राज्य का सबसे गर्म स्थान था)।
- दुनिया सा **सबसे बड़ा सोलर पार्क भडला**, **एयर फ़ोर्स स्टेशन** इसी जिले में आते है।
- इसे जिला **नमक नगरी** के नाम से जाना जाता हैं।
- फलोदी मुख्य रूप से **फलवृद्धिका** नाम से बसा है।
- इसका सबसे प्राचीन नाम **विजयनगर** था
- **विक्रम संवत 1515** में **श्री सिद्धू कल्ला** ने **फलोदी गाँव** की स्थापना की थीं
- इसका नाम **फलवृधिका** नाम रखा गया अब इसे **फलोदी** के नाम से जाना जाता है
- **परमवीर मेजर शैतान सिंह** फलोदी के **बाणासर गाँव** के थे वर्तमान में इस गाँव का नाम **शैतान सिंह नगर** कर दिया गया
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - रामदेवरा, खींचन गाँव, फलौदी की हवेलियाँ, फलौदी का किला, झूमर लाल निवास

(iv) जैसलमेर

- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **7 तहसील** आती है।
  - जैसलमेर, पोकरण, फतेहगढ़, फलसुण्ड, भणियाणा, रामगढ़, सम
- यह राजस्थान का सबसे **बड़ा ज़िला** है।
- इसकी की स्थापना **वर्ष 1155 ई**. में **भाटी वंश** के **राजा राव जैसल** ने की थी
- इस जिले को "**राजस्थान का अंडमान**" और **"स्वर्ण नगरी"** भी कहा जाता है।
- जैसलमेर प्राचीन काल में **मांडधरा** और **वल्लभ मंडल** कहलाता था। **(VDO -2021)**
- इस जिले में यादवों के वंशज **भाटी राजपूतों** की प्रथम राजधानी **तनोट**, दूसरी **लौद्रवा** तथा तीसरी **जैसलमेर** में रही।
- जयनारायण व्यास, सागरमल गोपा जैसे महान व्यक्तियों की जन्मस्थली।
- यहा बोली मुख्यतः राजस्थान के **मारवा क्षेत्र** में बोली जाने वाली **थली भाषा** मारवाड़ी भाषा की ही उपबोली है ।
- **मरु संस्कृति** का **प्रतीक** जैसलमेर **कला** व **साहित्य** का **केन्द्र** रहा है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - जैसल मेर का किला [सोनार किला/स्वर्ण किला (त्रिकुट पहाड़ी),] सैम सैंड ड्यून्स, डेजर्ट नेशनल पार्क,गड़ीसर झील, सलीम सिंह की हवेली, पटवों की हवेली तनोट माता मंदिर, जैन मंदिर

(v) बाड़मेर

- बाड़मेर जिले का मुख्यालय **मातासर नगर** है
- बाड़मेर का नाम परमार शासक **बहादा राव** के नाम पर पड़ा है जो की **जूना (बाड़मेर)** के शासक थे।
- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **12 तहसील** आती है
  - बाड़मेर, बाड़मेर ग्रामीण, बाटाडू, गड़रारोड़, रामसर, चौहटन, धनाउ, धोरीमन्ना, गडामालानी, नोखडा, सेड़वा, शिव
- इस जिले की **मलाणी घोड़े की नस्ल** विश्व प्रसिद्ध है।
- राजस्थान में लिग्नाइट गोयले पर आधारित प्रथम विधुत संयंत्र गिरल बाड़मेर में है।
- बाड़मेर के **शिव, गुडा मलानी** आदि क्षेत्रों में **पैट्रोलियम भण्डार** मिले हैं। **(REET – 2023)**
- बाड़मेर का **चौहटन** क्षेत्र **गोंद** के लिए देश भर में प्रसिद्ध है।
- **रेडक्लिफ रेखा** से सटे **बाड़मेर जिले** का अंतिम गांव **सुंदरा** है।
- **रूमा देवी** एक **समाज सेविका** व **भारतीय पारंपरिक हस्तकला कारीगर** है जो की **बाड़मेर की निवासी** है जिन्हें "**नारी शक्ति पुरस्कार 2019**" से सम्मानित किया गया था। **(RAS – 2021)**
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल**
- बाड़मेर जिले में पुष्कर (अजमेर) के बाद दुनिया का **दूसरा ब्रह्मा मंदिर** स्थित है जिसका निर्माण **ब्रह्मऋषि संत खेतारामजी** महाराज ने करवाया था।
- **किराडू के मंदिर** यह मदिर अपनी **सोलंकी वास्तुकला शैली** के लिए जाने जाने वाले इन मंदिरों में उल्लेखनीय और शानदार मूर्तियां हैं। ये मंदिर **भगवान शिव** को समर्पित हैं और **पांच मंदिरों** में से **सोमेश्वर मंदिर** सबसे उल्लेखनीय है।
- अन्य **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** जैसे बाड़मेर किला,जूना किला, देवका-सूर्य मंदिर, चिंतामणि पारसनाथ जैन मंदिर, महाबार रेत के टीले-बाड़मेर, सफ़ेद अखाड़ा आदि प्रसिद्ध है।

(vi) बालोतरा (नवीनतम जिला)

- बालोतरा को **बाड़मेर** से अलग कर के **नया जिला** बनाया गया है
- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **7 तहसीलों** को शामिल किया है -
  - पचपदरा, कल्याणपुर, सिवाना, समदड़ी, बायतु, गिड़ा, सिणधरी
- बालोतरा को "**वस्त्र नगरी**" और **"पॉपलाइन नगरी"** के नाम से भी जाना जाता है।

- यह शहर हाथ **ब्लॉक प्रिंटिंग** और **पॉलिएस्टर कपड़ों** की **रंगाई** और **छपाई** के लिए भी मशहूर है।
- बालोतरा के तिलवाड़ा क्षेत्र **वार्षिक रेगिस्तान** और **पशु मेले** के लिए प्रसिद्ध है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल**- प्राचीन विष्णु मंदिर, खेड़ मंदिर, वालोती मंदिर, रानी भटियाणी मंदिर (जसोल गाँव - पचपदरा), श्री नाकोड़ा जैन मंदिर, चोंच मंदिर, मोहनराज जी मंदिर, जानराज जी मंदिर, नृसिंह जी मंदिर, हनुमान मंदिर, खेड़ मंदिर, बिठूजा मंदिर आदि प्रमुख पर्यटन स्थल है।

4. भरतपुर संभाग

- नवीनतम जिलों के गठन के बाद अब **भरतपुर संभाग** में **6 जिलों** को शामिल किया गया है। दो नवगठित जिले **गंगापुरसिटी** और **डीग** को **भरतपुर संभाग** में शामिल किया गया। भरतपुर संभाग, राजस्थान का **सबसे पूर्वी संभाग** है
- भरतपुर संभाग के अन्तर्गत आने वाले जिले निम्नलिखित है -
  - भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, डीग **(जेल प्रहरी – 2017)**

(i) भरतपुर

- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **8 तहसीले** आती है -
  - भरतपुर, बयाना, वैर, भुसावर, रूपवास, रूदावल, उच्चैन, नदबई
- भरतपुर को **'राजस्थान का पूर्वी द्वार'** भी कहा जाता है
- भरतपुर की स्थापना **महाराजा सूरजमल** ने **वर्ष 1733 ई**. में भरतपुर शहर की की थी।
- विश्व धरोहर **घना पक्षी अभ्यारण्य (केवलादेव)** प्रवासी पक्षियों का भी **बसेरा** है जिसे **पक्षियों का स्वर्ग** भी कहा जाता है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - गंगा महारानी मंदिर, बाँके बिहारी मंदिर, भरतपुर का लोहादुर्ग, मोती झील, लक्ष्मण मंदिर, घना पक्षी अभ्यारण्य (केवलादेव) आदि।

(ii) डीग (नवीनतम जिला)-

- इस नवीनतम जिले को **भरतपुर** से अलग करके बनाया गया है।
- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **9 तहसीलों** को शामिल किया है -
  - डीग, जनूथर, कुम्हेर, रारह, नगर, सीकरी, कामां, जुरहरा, पहाड़ी
- डीग का प्राचीन नाम **दीर्घापुर** था।
- **राजा बदन सिंह** ने **डीग** को **भरतपुर राज्य** की **पहली राजधानी** ने बनाई थी।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - डीग किला, जलमहल, सूरज भवन, गोपाल भवन,किशन भवन, हरदेव भवन, नंद भवन, केशव भवन, आदि।

(iii) धौलपुर

- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **8 तहसीले** आती है -
  - धौलपुर, बसेड़ी, बाड़ी, मनिया, राजाखेड़ा, सेंपऊ, सरमथुरा, बसई नवाब
- धौलपुर चम्बल नदी के किनारे बसा हुआ शहर है
- धौलपुर जिला अ**रावली पर्वतमाला** और **विंध्याचल पर्वतमाला** तथा **उत्तर का विशाल मैदान** का **मिलन स्थल** है।
- इस जिले में **चम्बल नदी** के प्रसिद्ध **बीहड़** हैं।
- धौलपुर जिले में **मिलिट्री स्कूल** स्थित है।
- यहां का **लाल बलुआ पत्थर** पूरे भारत में प्रसिद्ध है।
- प्रसिद्ध विश्व धरोहर **दिल्ली के लाल क़िले** के निर्माण में भी **धौलपुर लाल बलुआ पत्थर** का इस्तेमाल किया गया था
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल**- चौपड़ा-महादेव मन्दिर, मुचुकुन्द-सरोवर, शेरगढ़ किला, मंदिर श्री राम-जानकी, श्री हनुमान जी, पुरानी छावनी, खानपुर महल, वनविहार वन्य जीव अभयारण्य, तालाब-ए-शाही, रामसागर-अभयारण्य, निहाल टॉवर, श्री महंकाल (महाकालेश्वर) मन्दिर, सरमथुरा, लसवारी, मुगल गार्डन, दमोह जल प्रपात और कानपुर महल, राजा मुचुकुंद की गुफ़ा आदि।

(iv) करौली

- करौली को **19 जुलाई, 1997** में राजस्थान का **32वां ज़िला** बनाया गया था। **(Patwar – 2021)**
- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **7 तहसीले** आती है -
  - करौली, मासलपुर, सपोटरा, मण्डरायल, हिण्डौन, सूरौठ, श्रीमहावीरजी
- करौली की स्थापना **वर्ष 955 ई.** के आसपास **राजा विजय पाल** ने की थी।
- करौली अपने **ऐतिहासिक किलों** और **मंदिरों** के लिए मशहूर है।
- इस जिले को डांग की रानी कहा जाता है। **(Salt Insp. – 2018)**
- करौली में **खड़ी बोली** सबसे ज़्यादा प्रचलित है जो की यहां की **लोकल भाषा**, **ब्रज भाषा** और **मेवाती** के **मिश्रण** से बोली जाती है।
- करौली जिले में **फरवरी माह** में **पशु मेले** का आयोजन किया जाता है जहाँ **हजारो मवेशी** यहां लाए जाते हैं।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - सिटी पैलेस, तिमनगढ़ किला, मंडरायल किला,देवगिरी किला, उत्गीर किला, भँवर विलास महल, मदन मोहन जी का मंदिर, कैला देवी मंदिर, श्री कल्याण राय जी मंदिर, गोमती धाम, राजा गोपालसिंह जी की छतरी, गधमोरा, कैला देवी अभ्यारण्य, पांचना बांध, मामचारी बांध आदि।

(v) सवाई माधोपुर

- जयपुर के महाराजा **सवाई माधोसिंह प्रथम** ने **18वीं शताब्दी (वर्ष 1763 ई.)** में **सवाई माधोपुर** की स्थापना की थी।

- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **6 तहसीले** आती है
  - सवाई माधोपुर, खण्डार, चौथ का बरवाड़ा, बौली, मित्रपुरा, मलारनाडूंगर
- सवाई माधोपुर जिला **अरावली** और **विंध्य** से घिरा हुआ है
- सवाई माधोपुर जिला महान शासक **हम्मीर देव चौहान** और बाघों के लिए प्रसिद्ध **रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान** के लिए जाना जाता है
- सवाई माधोपुर **प्रतिवर्ष 19 जनवरी** को अपना **स्थापना दिवस** मनाता है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - रणथंभौर दुर्ग (विश्व विरासत), चौथ का बरवाड़ा, रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान, खण्डार का किला, त्रिनेत्र गणेश मंदिर, सवाई माधोपुर लॉज,अमरेश्वर महादेव मंदिर,घुश्मेश्वर मन्दिर (शिवाड़ गाँव), अरणेश्वर महादेव सप्त कुंड, रामेश्वर त्रिवेणी संगम, सवाई मानसिंह अभयारण्य, काला-गौरा भैरव मंदिर, मीन भगवान का भव्य मंदिर (चौथ का बरवाड़ा),
- **रणथंभौर दुर्ग में स्थित महत्वपूर्ण स्थल** - नौलखा दरवाजा, तोरण दरवाजा/अंधेरी, हाथीपोल दरवाजा, सूरजपोल दरवाजा, गणेशपोल दरवाजा जोगी महल, जयसिंह की छतरी,माला महल कचहरी

(vi) गंगापुरसिटी (नवीनतम जिला) -

- गंगापुरसिटी जिले का निर्माण सवाईमाधोपुर एवं करौली जिलों के पुनर्गठन से किया गया है। इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **7 तहसीलों** को शामिल किया है -
  - गंगापुर सिटी, तलावड़ा, वजीरपुर, बामनवास, बरनाला(**सवाईमाधोपुर से**) और टोडाभीम, नादोती (**करौली से**)
- राजा **कुशलीराम हल्दिया** ने इस नगर की स्थापना की थी।
- गंगापुर सिटी को प्राचीन नाम **कुशलगढ़** था, बाद में **देवी गंगा** का **मंदिर** बनने कारण इसको **गंगापुर** के नाम से जाना जाने लगा।
- '**ब्रिटिश काल** में **अंग्रेजों द्वारा** इसमें '**सिटी**' जोड़ दिया गया, अत: वर्तमान में इसे **गंगापुर सिटी** के नाम से जाना जाता है।
- गंगापुर सिटी में **मावा से बनने वाली** प्रसिद्ध मिठाई को **खीरमोहन** के नाम से जाना जाता है। इस मिठाई श्रेय **हाबूलाल हलवाई** को जाता है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल -** जगदीश जी मंदिर **(**नादोती),धूबेश्वर महादेव मंदिर,घटवासन माता का मन्दिर (गुढाचन्द्रजी गांव), दाउदजी महाराज का मंदिर (नादोती) आदि।

5. अजमेर संभाग

- हरि देव जोशी सरकार के काल में 15 जनवरी, 1987 को जयपुर संभाग से अलग होकर बना था। अजमेर संभाग, राजस्थान का छठा संभाग है।
- यह राजस्थान का **मध्यवर्ती संभाग** है।
- अजमेर संभाग में निम्नलिखित **7 ज़िले** आते हैं -
  - अजमेर, नागौर, टोंक, ब्यावर, केकड़ी, शाहपुरा, डीडवाना-कुचामन।
- वर्तमान में भीलवाडा जिले को उदयपुर संभाग में मिला दिया गया है

(i) अजमेर

- अजमेर की स्थापना **सातवीं शताब्दी** में **राजा अजयराज सिंह चौहान** ने की थी।
- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **7 तहसीले** आती है
  - अजमेर, पुष्कर, पीसांगन, नसीराबाद, किशनगढ़, रूपनगढ़, अराई
- यह राजस्थान का एक **प्रमुख** और **ऐतिहासिक** शहर है।
- अजमेर नगर का मूल नाम **'अजयमेरु'** था।
- अजमेर को अन्य कई नामों से भी जाना जाता है जैसे - भारत का मक्का, अंडो की टोकरी, राजस्थान का हृदय आदि। **(जेल प्रहरी – 2017)**
- अजमेर के किशनगढ़ नगर को मार्बल मंडी के नाम से प्रसिद्ध है।
- अजमेर में **लाल्या काल्या का मेला** और **पुष्कर का मेला** आदि विश्व प्रसिद्द मेले है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - तारागढ़ दुर्ग, ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह, अकबर के महल,अढ़ाई-दीन का-झोपड़ा, पुष्कर ब्रह्मा तीर्थ, सोनीजी की नसियां, मेयो कॉलेज, नारेली जैन मन्दिर, आना सागर झील, फॉयसागर झील आदि।

(ii) डीडवाना कुचामन (नवीनतम जिला) -

- **डीडवाना -कुचामन जिले** का निर्माण **नागौर जिले** से अलग कर के बनाया गया है।
- इस जिले का नाम दो शहर **डीडवाना** और **कुचामन सिटी** के नाम से रखा गया है।
- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **8 तहसीलों** को शामिल किया है -
  - डीडवाना, कुचामन सिटी, मौलासर, छोटी खाटू, लाडनूं, परबतसर, मकराना, नावां
- डीडवाना को **मारवाड़** का **'सिंहद्वार'** एवं **शेखावाटी** का '**तोरण द्वार**', **आभानगरी** व **उपकाशी** आदि नामों से जाना जाता है
- यहां स्थित खारे पानी की झीलें **डीडवाना** और **नावां महत्वपूर्ण झीलें** है जिनका नमक पुरे भारत में वितरित किया जाता है।
- मकराना **सफ़ेद संगमरमर पत्थर** के लिए प्रसिद्ध है, यहां के **संगमरमर पत्थरों** का उपयोग **विश्व विरासत ताजमहल** के **निर्माण** में किया गया था तथा **पंजाब** के **स्वर्ण मंदिर** मे भी इस के मार्बल का उपयोग किया है।

- डीडवाना **निरंजनी सम्प्रदाय** व **माहेश्वरी समाज** की **उद्गम स्थली** एवं प्रसिद्ध उद्योगपति **बांगड़ परिवार** का **गृह नगर** है।
- **परबतसर तहसील** का **पशु मेला** विश्व प्रसिद्ध है। जिसे **वीर तेजाजी पशु मेले** के नाम से जाना जाता है।
- डीडवाना का प्राचीन नाम **डीडूवाणक** था।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल**- कुचामन का किला (कुचामन सिटी), रहमान गेट, कुराड़ा (परबतसर) ताम्रयुगीन सभ्यता स्थल,

(iii) नागौर

- नागौर को प्राचीन **अहिछत्रपुर नगरी/ नागाणा** के नाम से जाना जाता था।
- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **9 तहसीले** आती है।
  - नागौर, मूण्डवा, खींवसर, जायल, डेह, मेड़ता, रियांबड़ी, डेगाना, सांजू
- नागौर राजस्थान का **मध्यवर्ती जिला** है।
- नागौर **पशु मेलों** के लिए काफी प्रसिद्ध है।
- नागौर की **मसाला मैथी** विश्व प्रसिद्ध है, इस मैथी को **पान मेथी /नागौरी मैथी** के नाम से जाना जाता है ।
- नागौर के मुख्य खनिज तत्व **जिप्सम, टंगस्टन, लिथियम** आदि है।
- नागौर के डेगाना शहर को **टंगस्टन नगरी** (देश की सबसे बड़ी टंगस्टन खान) के नाम से भी जाना जाता है।
- **अजमेर** के बाद **नागौर** ही **सूफी मत** का प्रसिद्ध **केन्द्र** रहा है।
- नागौर **जाटो का रोम** कहलाता है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - नागौर का किला, खिवंसर किला,अतारिकिन दरवाज़ा, दधिमती माता मंदिर (गोठ-मांगलोद मंदिर -जायल), जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय(जैन धर्म का केंद्र), मीरा बाई मंदिर(मेड़ता) आदि

(iv) ब्यावर (नवीनतम जिला) -

- **1 फ़रवरी, 1836** को **कर्नल जार्ज डिक्सन** ने **ब्यावर** की स्थापना की थी
- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **7 तहसीलों** को शामिल किया है -
  - ब्यावर, टॉडगढ, मसूदा, विजयनगर (अजमेर से), बदनोर (भीलवाडा से), जैतारण, रायपुर (पाली से)
- ब्यावर की **कढ़ी कचौरी** एवं **तिलपट्टी** प्रसिद्ध है।
- ब्यावर में **क्वार्ट्ज, यूरेनियम, अभ्रक, चूना पत्थर** आदि खनिजों का उत्पादन हैं।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - शूल ब्रेड मेमोरियल सीएनआई चर्च, विष्णु मंदिर (श्री रंग जी) सेंदड़ा रोड, श्री सुमतिनाथ जैन मंदिर, नीलकंठ महादेव मन्दिर, अजमेरी गेट

(v) केकड़ी (नवीनतम जिला) -

- इस जिले को **टोंक** और **अजमेर** का पुर्नगठन कर के बनाया गया है
- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **6 तहसीलों** को शामिल किया है -
  - केकडी, सावर, भिनाय, सरवाड, टांटोटी **(अजमेर से)**, टोडारायसिंह **(टोंक से)**
- केकड़ी को पहले **कंकवती नगरी** के नाम से भी जाना जाता था। जिसे **राजकुमारी कंकवती** के नाम पर रखा गया था।
- केकड़ी जिले **भिनाय क्षेत्र** की **कोड़ामार होली** राज्य भर में प्रसिद्ध है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल -** केकड़ाधीश बालाजी, बागहेरा का दिगंबर जैन मंदिर (शांतिनाथ जी दिगंबर जैन मंदिर), बिजासन माता मंदिर, संत पीपाजी की गुफा (टोड़ारायसिंह), हाड़ी रानी का कुंड (टोड़ारायसिंह),

(vi) शाहपुरा (नवीनतम जिला) -

- इस जिले का निर्माण भीलवाडा से अलग कर के किया गया है।
- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **6 तहसीलों** को शामिल किया है -
  - शाहपुरा, जहाजपुर, काछोला, फूलिया कलां, बनेडा, कोटड़ी
- शाहपुरा रियासत की स्थापना **सुजानसिंह** ने की थी तथा शाहपुरा नाम **मुग़ल बादशाह शाहजहाँ** के नाम पर रखा गया था।
- यहां **रामस्नेही सम्प्रदाय** की **प्रधान पीठ** है।
- **रामस्नेही सम्प्रदाय** का **फूलडोल महोत्सव** सर्वाधिक प्रसिद्ध है।
- शाहपुरा का **देवखेडा गाँव बारहठ परिवार** जन्म स्थली के रूप में जाना जाता है।
- शाहपुरा का **फड़ चित्रण** प्रसिद्ध है। (**जोशी परिवार**)
- शाहपुरा जिले की **जहाजपुर** तहसील में **यूरेनियम** के **भण्डार** मिले हैं।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - चारभुजा नाथ का मंदिर (बालाजी की छतरी), बड़ा देवरा, पुराना किला और गैबीपीर मस्जिद, स्वस्ति धाम, घाटारानी माताजी का मन्दिर

(vii) टोंक

- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **9 तहसीले** आती है
  - टोंक, देवली, नगरफोर्ट, दूनी, निवाई, पीपलू, उनियारा, अलीगढ़, मालपुरा
- टोंक के **टोडारायसिंह तहसील** को नवीनतम जिला **केकडी** में मिला दिया गया।
- टोंक शहर की स्थापना वर्ष **1806 ई.** में **अमीर खाँ पिंडारी** ने की थी
- ब्रिटिश काल में राजस्थान की **एकमात्र मुस्लिम रियासत** होने के कारण इसे '**नवाबों का शहर**' भी कहते हैं।

- यहां मुख्य खनिज तत्व **अभ्रक** और **बेरिलियम** पाए जाते है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - ककोड़ का किला, बगडी का किला- बगड़ी (निवाई), शाही जामा मस्जिद,पचेवर का किला, बिसलदेव मंदिर, डिग्गी कल्याण जी मंदिर, जोधपुरिया देवनारायण भगवान मंदिर,चान्दली माता मन्दिर, हाड़ी रानी का कुंड, हाथी भाटा, रसिया के टेकरी, शिवाजी पार्क, सुनहरी कोठी, कल्पवृक्ष बालुन्दा, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद अरबी और फ़ारसी अनुसंधान संस्थान, रसिया की टेकरी,माण्डव ऋषि की तपोभूमि (मांडकला) माशी बांध मनोहरपुरा, बीसलपुर बांध, टोरडी सागर बांध, खातोली,

6. कोटा संभाग

- कोटा संभाग को **हाडौती** के नाम से भी जाना जाता है। इस संभाग में किसी नए जिले का निर्माण नहीं किया गया है।
- यह संभाग **नदियों** और **खनिजों** से समृद्ध प्रदेश है।
- यह क्षेत्र **हाडा राजपुत** राजाओं शासित होने की वजह से इस क्षेत्र को **हाडौती प्रदेश** कहलाता है।
- इस संभाग में निम्नलिखित चारजिले आते है -
  - कोटा, बूँदी, झालावाडा, बारां

(i) कोटा

- कोटा को राजस्थान की **शिक्षा नगरी,औद्योगिक राजधानी** आदि के रूप में जाना जाता है। **(Raj Police – 2020)**
- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **7 तहसील** आती है
  - कनवास, दिगोद, पीपलदा, रामगंजमण्डी, लाडपुरा, सांगोद, चेचट
- कोटा का नाम **कोटिया भील** के नाम पर पड़ा है
- यह जयपुर और जोधपुर के बाद **राजस्थान** का **तीसरा बड़ा शहर** है।
- कोटा **चम्बल नदी** के किनारे बसा हुआ है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - सिटी फोर्ट पैलेस, राव माधो सिंह संग्रहालय, जगमंदिर महल, सरकारी संग्रहालय (ब्रिजविलास महल), चम्बल गार्डन, देवताजी की हवेली,गणेश उद्यान (खड़े गणेश जी मंदिर), गार्डेन ऑफ जॉय (सिटी पार्क), दरा वन्य जीव अभयारण्य, केशव राय पाटन, 'गढ़ पैलेस, अभेड़ा महल, अभेड़ा बायोलोजिकल पार्क,चरण चौकी,किशोर सागर जगमंदिर, चंबल रिवर फ्रंट, चंबल उद्यान, सैवन वंडर्स पार्क(सीवी पार्क), आलनिया बांध, मुकुंदरा हिल्स बाघ अभयारण्य,
- **प्रमुख मंदिर** - दाढ़ देवी मंदिर, कर्णेश्वर मंदिर , गोदावरी धाम, गरडिया महादेव, कंसुआ शिव मंदिर, मथुराधीश मंदिर, गेपरनाथ मंदिर, माँ त्रिकुटा मंदिर आदि।

(ii) बूँदी

- **महाराव देवा हाड़ा (चौहान)** वर्ष **1242 ई.** में **बूँदी** की स्थापना की थी।
- बूँदी का नाम **बूंदा मीणा** के नाम पर पड़ा है।
- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **6 तहसील** आती है
  - बूँदी, इन्द्रगढ़, केशोरायपाटन, तालेड़ा, नैनवा, हिण्डोली
- राजा बरसिंह ने सन् 1354 ई. में **तारागढ़ दुर्ग** का निर्माण करवाया।
- बूँदी की **कलात्मक बावडियों** के देशभर में प्रसिद्ध होने के कारण इसे **बावडियों का शहर** कहा जाता है। तथा बूँदी को **छोटी काशी** नाम से भी जाना जाता है। **(EO/RO – 2023)**
- बूँदी को **पक्षियों का स्वर्ग** भी कहा जाता है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - तारागढ़ दुर्ग, रामगढ़ विषधारी अभ्यारण, चौरासी खंभों की छतरी, सुख महल, केसरबाग़(क्षार बाग), रानी जी की बावड़ी, धाभाई कुण्ड, नगर सागर कुण्ड, हाथी पोल, उम्मेद भवन, छत्तर पैलेस, शिकार बुर्ज़(शिकारगाह), कनकसागर पक्षी अभ्यारण्य
- **बूँदी की प्रमुख झील** - जैत सागर, अभय पुरा बांध, बरधा बांध, गुढा बांध, इंद्राणी बांध, कनक सागर बांध, नारायणपुर बांध, राम सागर बांध, रतन सागर झील, नवल सागर झील, फूल सागर

(iii) बारां

- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **8 तहसील** आती है -
  - बारां, अटरू, अन्ता, किशनगंज, छबड़ा, छीपाबड़ौद, मांगरोल, शाहबाद
- बारां को प्राचीन काल में **"वराह नगरी"** के नाम से जाना जाता था।
- यह जिला राजस्थान के '**हाड़ौती का पठार**' भौतिक प्रदेश के अंतर्गत आता है।
- इस क्षेत्र में **12 गांवों** के कारण **बारां** कहलाया।
- **बांरा जिले** की **किशनगंज** एवं **शाहबाद** में **सहरिया जनजाति** पाई जाती है जो की राजस्थान राज्य की एकमात्र **आदिम जाति** है।
- भारत सरकार ने **आदिम जनजाति समूह (पी.टी.जी)** में शामिल किया है
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - शाहबाद का क़िला, शेरगढ़ किला (कोशवर्धन दुर्ग), बारां का नाहरगढ़ क़िला,गुगोर क़िला, कन्या दह-विलासगढ़,हाडौती पैनोरमा, शाहबाद की शाही जामा मस्जिद, रामगढ़ भंडदेवरा मंदिर,सोरसन माताजी मन्दिर, रामगढ़ माता मंदिर, बांसथुनी मंदिर, शेरगढ़ अभ्यारण्य(सांपो की शरणस्थली), सीताबाड़ी, कपिलधारा, तपस्वियों की बगीची, काकूनी मन्दिर समूह, सोरसन वन्यजीव अभ्यारण्य, रामगढ़ क्रेटर

(iv) झालावाड़

- झालावाड़ क्षेत्र **झाला राजपूत राजाओं** का शासित प्रदेश था।
- **झालावाड़** और **झालरापाटन** दोनों शहरों की स्थापना **18वीं शताब्दी** के अन्त में **झाला राजपूतों** द्वारा की गई थी। इस कारण से इन्हें **'जुड़वा शहर'** भी कहा जाता है।
- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **12 तहसीले** आती है -
  - अकलेरा, असनावर, खानपुर, गंगधार, झालरापाटन, डग, पचपहाड़, पिड़ावा, बकानी, मनोहरथाना, रायपुर, सुनेल
- झालरापाटन को **घंटियों का शहर (सिटी ऑफ़ बेल्स)** के नाम से भी जाना जाता है।

(जेल प्रहरी – 2017)

- झालापाटन स्थापना वर्ष 1796 ई. में **झाला जालिम सिंह** ने की थी।
- झालापाटन का प्राचीन नाम **चंद्रावती** था।
- झालावाड़ राजस्थान का सबसे ज्यादा बारिश वाला जिला होने की वजह से इसे **राजस्थान का चेरापूंजी** कहा जाता है
- झालावाड़ **राजस्थान का नागपुर, बृजनगर** आदि अन्य उपनामों से जाना जाता है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - गढमहल,नौलखा किला, मनोहर थाना का दुर्ग, गागरोन फोर्ट, दलहनपुर स्तम्भ, हर्बल गार्डन, भवानी नाट्यशाला, चंद्रभागा मन्दिर, सूर्य मंदिरद्वारकाधीश मंदिर, चाँदखेड़ी आदिनाथ मंदिर (खानपुर), नागेश्वर पार्श्वनाथ जैन मंदिर (उन्हेल), संत पीपाजी पैनोरमा, शान्तिनाथ मंदिर, चांदखेड़ी का दिगंबर जैन मंदिर और कोलवी स्थित बौद्ध गुफाएं (दीनयान मत), कामखेड़ा बालाजी मंदिर, गोमती सागर, कृष्ण सागर,

7. उदयपुर संभाग

- उदयपुर संभाग राजस्थान का ऐतिहासिक एवं भौगोलिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण प्रदेश है।
- इसे मेवाड़ प्रदेश के नाम से भी जाना जाता है।
- उदयपुर संभाग **नदियों, खनिजों एवं पर्यटन स्थलों** लिए के से समृद्धशाली क्षेत्र है।
- यह संभाग पूर्णत: **अरावली के पहाड़ी** क्षेत्र में बसा हुआ है।
- इस संभाग में **उदयपुर, चितौडगढ़, सलूम्बर, भीलवाडा** (अजमेर संभाग से), **राजसमन्द,** पांच जिले आते है।
- उदयपुर संभाग से **बाँसवाड़ा,डुंगरपुर, प्रतापगढ़** तीन जिलों को हटाकर एक **नया संभाग** (बाँसवाड़ा संभाग) बना दिया गया है।
- इस संभाग में **भील, मीणा, गरासिया,** आदि जनजातियां निवास करती है।
- मेवाड़ प्रदेश शहर **सिसोदिया राजवंश** द्वारा शासित रहा है जिसके राजधानी कालक्रमानुसार - **नागदा, आहड़,कल्याणपुर,चितौड़गढ़,कुंभलगढ़,चावंड,उदयपुर** रही है।

(i) उदयपुर

- उदयपुर की स्थापना सन् 1558 ई. में मेवाड़ के महाराणा उदयसिंह सिसोदिया के द्वारा की गई थी।
- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **16 तहसीले** आती है
  - ऋषभदेव, कुरावड़, कानोड़, कोटड़ा, खेरवाड़ा, गिर्वा, गोगुंदा, झाडोल, नयागांव, बडगाँव, भीण्डर, मावली, वल्लभनगर, सायरा, फलासिया, घासा
- उदयपुर को राजस्थान का **कश्मीर, पूर्व का वेनिस, वाइट सिटी** और **झीलों का शहर** आदि उपनामों से भी जाना जाता है।

(Jr. Sci. Ass. – 2019)

- उदयपुर का **धींगा गौर का मेला** प्रसिद्ध है
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - सिटी पैलेस, संग्रहालय, सज्जनगढ़ (मानसून पैलेस), जग निवास द्वीप, जग मंदिर, शिल्पग्राम, मोती मगरी,बाहुबली हिल्स, सहेलियों की बाड़ी, संग्रहालय, बर्ड पार्क गुलाब बाग, सुखाड़िया सर्कल, भारतीय लोक कला मंडल, बागौर की हवेली, सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क, विन्टेज कार कलैक्शन, फुलवाड़ी की नाल अभयारण्य
- **प्रमुख मंदिर** - श्री एकलिंग जी मंदिर,सहेलियों की बाड़ी, जगदीश मंदिर, सहस्त्रबाहु मंदिर (सास बहू मंदिर) आदि
- **प्रमुख झील -** फतेह सागर, पिछोला झील, फ़तेह सागर झील, उदयसागर झील, दूध तलाई, सिटी ऑफ लेक्स (मेनार गाँव) बड़ी झील आदि
- **प्राचीन सभ्यता** - आहड़ सभ्यता, बालाथल सभ्यता, धौलीमगरा सभ्यत,ईसबाल सभ्यता,झाडोल सभ्यता

(ii) चितौडगढ़

- चित्तौड़गढ़ स्थापना **चित्रांगद मौर्य** द्वारा की गई थी।
- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **12 तहसीले** आती है
  - चित्तौड़गढ़, कपासन, गंगरार, डूँगला, निम्बाहेड़ा, बेगूं, बड़ीसादड़ी, बस्सी, भदेसर, भूपालसागर, रावतभाटा, राशमी

(जेल प्रहरी – 2018)

- चित्तौड़गढ़, **मेवाड़ राजवंश** की **प्राचीन राजधानी** रही है।
- यह **बेड़च नदी** के किनारे बसा हुआ है।
- चित्तौड़गढ़ दुर्ग को **जौहर का गढ़** भी कहा जाता है।
- राजस्थान का चित्तौड़गढ़ जिला **घोड़े की नाल** के समान है।
- राजास्थान का प्रथम **परमाणु बिजली सयंत्र रावतभाटा (चितौड़ गढ़) वर्ष 1975** में स्थापित किया गया।

- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - रानी पद्मिनी का महल, विजय स्तम्भ, कीर्ति स्तम्भ, फतेह प्रकाश महल, राणा पूंजा भवन, खातन, महासती (जौहर स्थल), मोती बाजार, फतह प्रकाश,बनवीर की दीवार, नवलखा भण्डार, भामाशाह की हवेली,आल्हा काबरा की हवेली, सलूम्बर की हवेलियों,पत्ता तथा जैमल की हवेलियाँ, रानी का महल, गोरा और बादल के महल, राव रणमल की हवेली,सूरजकुण्ड, से जैमल-पत्ता का तालाब, चूलिया जल प्रपात आदि
- **प्रमुख मंदिर** - पार्श्व जैन मंदिर, कालिका माता मंदिर, तुलजा भवानी मंदिर, सांवलियाजी मंदिर, समिद्धेश्वर (समाधीश्वर) महादेव का मंदिर, जटाशंकर महादेव देवालय, विष्णु के बराह अवतार मंदिर (कुंभश्याम), मीराबाई का मंदिर, जैन सातबीस देवरी, श्रृंगार चंवरी, मातृकुण्डिया - रशमी
- **कला** - जाजम प्रिन्ट,दाबू प्रिन्ट, काष्ट कला, लकड़ी की गणगौर, कावड़

(iii) सलूम्बर (नवीनतम जिला) -

- सलूम्बर जिले का निर्माण **उदयपुर जिले** का पुर्नगठन कर के किया गया है।
- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **5 तहसीलों** को शामिल किया है -
  - सलूम्बर, सराड़ा, सेमारी, लसाड़िया, झल्लारा
- सलूम्बर **मेवाड़** का **प्रथम श्रेणी** का **ठिकाना** हुआ करता था।
- सलूम्बर के **चूंडावत सरदार** मेवाड़ महाराणा के **हरावल दल** की सेना नेतृत्व किया करते थे।
- पर्यटन एवं धार्मिक स्थल - रूठी रानी का महल (सलूम्बर का हवामहल), हाडी रानी का महल, चावंड के महल, जयसमंद झील, जयसमंद अभ्यारण (जलचरों की बस्ती),
- इडाणा माता (अग्नी वाली देवी) मंदिर, गोसण बाबा मंदिर (सराड़ा), सोनार माता, ग्वालेश्वर मंदिर, श्री गातोड़ मंदिर,

(iv) भीलवाडा

- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **12 तहसीले** आती है
  - भीलवाड़ा, माण्डलगढ़, बिजौलिया, सवाईपुर, रायपुर, सहाड़ा, आसीन्द, करेड़ा, हमीरगढ़, माण्डल, हुरड़ा, अंटाली
- शाहपुरा को भीलवाडा से हटाकर एक नया जिला बना दिया गया है।
- भीलवाड़ा देशभर में **कपड़ा उद्योग** के लिए प्रसिद्ध होने के कारण **भीलवाडा** को **राजस्थान** का **मैनचेस्टर** कहा जाता है

(REET -2022, Police Const. – 2020, EO/EO - 2023)

- भीलवाड़ा में बनाई जाने वाले **अभ्रक ईंटें** देश भर में प्रसिद्ध है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - बीजासण पर्वत (माण्डलगढ़), जटाऊ शिव मंदिर,हरणी महोदव मंदिर, महानालेश्वर मंदिर, हजारेश्वर मंदिर (मेनाल) चावण्डिया तालाब, हजरत गुल अली बाबा की दरगाह (रहमतुल्लाह अलेही), बनेड़ा में दुर्ग, मांडलगढ़ दुर्ग,
- **प्रमुख सभ्यता** - बागोर सभ्यता,आंगूचा, ओझियाणा एवं हुरडा़ (पाषाण युगीन सभ्यता)

(v) राजसमन्द

- राजसमन्द जिले का नाम **राजसमन्द झील** के नाम पर पड़ा है। **(Computer – 2018)**
- इस झील का निर्माण **17वीं सदी** में मेवाड़ के **राणा राज सिंह प्रथम** करवाया था।
- उदयपुर जिले के **राजनगर** और **कांकरोली** को मिलाकर **राजसमंद जिले** (10 अप्रैल 1991) का गठन किया गया था।
- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **11 तहसीले** आती है -
  - राजसमन्द, आमेट, कुम्भलगढ़, कुवांरिया, खमनोर, गढ़बोर, देलवाड़ा, देवगढ़, नाथद्वारा, भीम, रेलमगरा
- राजसमंद जिला **संगमरमर** का **सबसे बड़ा उत्पादक** ज़िला है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - विश्वास स्वरूपम शिव प्रतिमा, कुंभलगढ़ दुर्ग, नौ चौकी पाल (राजसमन्द झील), श्री नाथ जी मंदिर नाथद्वारा, श्री द्वारिकाधीश जी मंदिर कांकरोली, चारभुजानाथजी (गढ़बोर), श्री रुपनारायण जी मंदिर, (सेवंत्री) श्री कुंतेश्वर महादेव (फरारा), गोलेराव जैन मंदिर, भवन देवी मंदिर, नीलकण्ठ महादेव (सर्वतोभद्र मंदिर), कुम्भलगढ़ वन्यजीव अभ्यारण्य, रक्ततलाई (खमनोर), दिवेर आदि।

8. सीकर संभाग (नवीनतम संभाग)

- इस संभाग को निर्माण **सीकर, चूरू, झुंझुनूं** और **नीमकाथाना** चार जिलों को मिलकर किया गया है।
- **सीकर** और **झुंझुनूं** जिलों को पहले जयपुर संभाग से और **चूरू** जिले को बीकानेर संभाग से लिए गए है।
- **सीकर** और **झुंझुनूं** जिलों का पुनर्गठन कर के एक **नवीनतम जिला नीमकाथाना** बनाया गया है।
- **शेखावत राजपुतों** द्वारा शासित होने की वजह से **सीकर संभाग क्षेत्र** को **शेखावाटी प्रदेश** के नाम से भी जाना जाता है। **(CET- Graduation -2023)**
- शेखावाटी राजस्थान का **आंतरिक प्रवाह** वाला क्षेत्र है।
- यह प्रदेश अपनी **सांस्कृतिक हवेलियों (**भिती चित्रों और वास्तुकला) के लिए विश्व भार में विख्यात है।
- शेखावाटी के सांस्कृतिक नृत्य (**चंग नृत्य, कच्ची घोड़ी नृत्य, गीदड़ नृत्य)** प्रसिद्ध है।

- शेखावाटी क्षेत्र, **गोटा** (महिला कपड़ों पर लगाया जाने वाला विशेष प्रकार की कढ़ाई पट्टी), **पोमचा** (महिला वस्त्र), आदि के लिए राज्य में विशेष स्थान रखता है।
- शेखावाटी क्षेत्र में **जाट किसान आन्दोलन** की शुरुआत भी **कुदन गाँव** (वर्ष 1939 ई.) से हुई थी।
- राजस्थान के **शेखावाटी क्षेत्र** से **भारतीय सेना** में सबसे ज़्यादा सैनिक जाते हैं।
- **कान्तली नदी क्षेत्र** (सीकर का खंडेला, और नीमकाथाना जिलाअ) तंवर राजपुतों द्वारा शासित होने के कारण इसे **तोरावाटी क्षेत्र** भी कहा जाता है।

(i) सीकर

- सीकर का पुराना नाम **वीर भान का बास** था, इसकी नीव राव दौलतसिंह ने राखी थी।
- सीकर शहर को शेखावाटी **हृदय स्थल** के नाम से जाना जाता है।
- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **10 तहसीले** आती है
  - सीकर, सीकर ग्रामीण, फतेहपुर, रामगढ़ शेखावाटी, लक्ष्मणगढ़, नेछवा, धोद, दाँतारामगढ़, खण्डेला, रींगस
- सीकर का **खंडेला शहर गोटा कारीगरी** के लिए प्रसिद्ध है।
- नीमकाथाना जिला बनने से पहले सीकर के आकृति **अर्धचन्द्राकार** जैसी थी।
- खंडेला के **रोयल क्षेत्र** में **यूरेनियम** के भंडार मिले है
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - खाटू श्याम जी मंदिर,राजकुमार हरदयाल सिंह राजकीय संग्रहालय, हर्षनाथ मंदिर, जीण माता मंदिर, देवगढ़ का किला, लक्ष्मणगढ़ का किला, दांतारामगढ किला, रानी महल (सीकर शहर) फतेहपुर की बावडियाँ एवं हवेलियाँ, रेवासा,काछौर झील - रेवासा,काछौर झील (खारे पानी की झील)
- द्वारकाधीश मंदिर (फतेहपुर), सिंघानिया हवेली (फतेहपुर), नादिन ले प्रिंस सांस्कृतिक केंद्र और फतेहचंदका हवेली (फतेहपुर)

(ii) झुंझुनूं

- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **10 तहसीले** आती है
  - झुंझुनूँ, गुढ़ागौड़जी, नवलगढ़, बुहाना, चिड़ावा, मण्डावा, बिसाऊ, मलसीसर, सरजगढ़, पिलानी
- झुंझुनूं जिले का नाम **जुझारसिंह नेहरा** के नाम पड़ा था।
- झुंझुनूं का संस्थापक **मुहम्मद खां** को माना जाता है।
- **मेजर हेनरी फोस्टर सन 1834** में **झुंझुनू** में सेना का गठन किया था जिसका नाम **शेखावाटी ब्रिगेड** रखा गया था।
- शेखावाटी के **पंचपाने** (नवलगढ़, डूंडलोद, मलसीसर, मंडावा, बिसाऊ) जो की **झुंझुनूं जिले** में आते है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** -हजरत कमरुद्दीन शाह की दरगाह एवं चंचलनाथ जी टीला, राणीसती का मंदिर (अग्रवालों की कुल देवी), नवलगढ़ शहर (रूप निवास पैलेस, आठ हवेली, गंगामाता मंदिर, रूपनिवास महल, चैखानी परिवार की हवेलियां) मोदी हवेली, तिबड़ेवाल हवेली, श्री सत्यनारायण मंदिर, मीरा अम्बिका भवन, मेडतानी की बावड़ी, मनसा देवी मंदिर श्री रुपाणा धाम बालाजी, श्री श्याम मंदिर (बगड़ नगर पालिका) स्नेह राम लाडिया हवेली (मांडवा), घोड़ीवारा बालाजी, मुकुंदगढ़ का किला, डॉ रामनाथ आ पोदार हवेली (पोदार हवेली संग्रहालय - नवलगढ़), कमल मोरारका हवेली संग्रहालय (फ्रेस्कोइस पेंटिंग - नवलगढ़), श्री शक्ति मोहनी माता (झांझर गांव - नवलगढ़), बिरला विज्ञान केंद्र (पिलानी), क्लॉक टावर (पिलानी), चोखानी हवेली (मंडावा), सूरजगढ़ का महल (चिड़ावा), महणसर किला, मंडावा कोठी, बिशनगढ़ किला, अलसीसर महल, श्यामगढ़ किला (झुंझुनूं), अजीत सागर झील

(iii) चूरू

- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **9 तहसीले** आती है
  - चूरू, तारानगर, बीदासर, भानीपुरा, रतनगढ़, राजगढ़, सुजानगढ़, सरदारशहर, सिद्धमुख
- चूरू स्थापना **निर्बान राजपूतों** द्वारा **1620 ई** में की गई थी।
- आजादी से पहले यह **बीकानेर जिले** का एक हिस्सा था।
- इसे थार **मरुस्थल का द्वार** भी कहा जाता है
- पर्यटन एवं धार्मिक स्थल - चूरू किला (तोप से दुश्मनों पर चांदी के गोले दागे गए), आठ खम्भ छत्री, रतनगढ़ किला, सेठानी का जोहरा, कन्हैयालाल बागला हवेली, ताल छापर अभयारण्य (काले हिरणों के लिए), रघुनाथजी मंदिर (बड़ा मंदिर भी कहते है), सालासार बालाजी मंदिर, सुराना हवेली,दूधवा खारा, कोठारी हवेली, साहवा का गुरूद्वारा, ददरेवा (गोगा जी का जन्म स्थान), वस्ट्डेड स्पीनिंग(ऊन का कारखाना) मिल, धर्म स्तूप, भगवान वैंकटेश्वर तिरूपति बालाजी का मंदिर (सुजानगढ़)

(iv) नीमकाथाना (नवीनतम जिला)

- इस जिले का निर्माण **सीकर** और **झुंझुनूं** जिले पुनर्गठन कर के किया गया है।
- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **5 तहसीलों** को शामिल किया है -

- नीमकाथाना, पाटन, श्रीमाधोपुर तहसीले को **सीकर जिले** से और उदयपुरवाटी, खेतड़ी तहसीले को **झुंझुनूं जिले** से।
- नीमकाथाना तहसील का मुख्यालय **छावनी के नाम** से जाना जाता है।
- यह क्षेत्र में **निंबार्क संप्रदाय** का मुख्य स्थान होने की वजह से इसका नाम **नीमकाथान** पड़ा।
- **नीमकाथान** - निंबार्क (नीम का) स्थल /थान (रहने का स्थान)
- नीमकाथाना, शेखावाटी का एक **प्रमुख खनिज संपन्न** जिला है।
- नीमकाथाना जिले का **खेतड़ी क्षेत्र** तांबे के लिए विश्व प्रसिद्ध है।
- नीमकाथाना जिले के गणेश्वर गाँव में गणेश्वर सभ्यता (ताम्र युगीन सभ्यता की जननी) टपकेश्वर सभ्यता स्थित है । खोजकर्ता - आरसी अग्रवाल (वर्ष 1997 में)
- गणेश्वर गांव में '**गालव गंगा धाम**' में सर्दीयों में भी **गरम पानी** का झरना बहता है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - शाकंभरी माता (उदयपुरवाटी), लोहार्गल जी और कोट बांध (उदयपुरवाटी), पाटन महल, थोई किला, गालव गंगा तीर्थ, गणेश्वर, बालेश्वर, बागेश्वर, टपकेश्वर, पंसारी की हवेली (श्रीमाधोपुर), कायम कुंड और पापड़ा तालाब (नीमकाथाना), पीथमपुरी झील
- **खेतड़ी के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - खेतड़ी का महल, स्वामी विवेकानंद मंदिर, अजीत विवेक संग्रहालय, सुख महल, भोपालगढ़ का किला, श्री चौमुखा भैरव जी मंदिर खरकड़ा धाम, पन्ना शाह तालाब, खेतड़ी में बंसियाल कंजर्वेशन, सुनारी सभ्यता,

9. पाली संभाग (नवीनतम संभाग)

- इस नवीनतम संभाग का गठन **जोधपुर संभाग** से अलग कर के किया है।
- इस नवीनतम संभाग में **पाली, जालौर, सांचौर, सिरोही** जिले आते है।
- इस संभाग के **लूनी बहाव क्षेत्र** को **गोडवाड़ प्रदेश** के नाम से भी जाना जाता है।
- इस संभाग नवीनतम जिला **सांचौर** का निर्माण **जालौर जिले** के पुनर्गठन से किया है।
- यह क्षेत्र कई ऐतिहासिक युद्धों के लिए जाना जाता है जैसे - 1857 की क्रांति विद्रोह, गिरी-सुमेल युद्ध (शेरशाह सूरी और राजा मालदेव), वर्ष 1311 ई. में अलाउद्दीन खिलजी और कान्हणदेव चौहान के बीच जालौर युद्ध।

(i) पाली

- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **8 तहसीले** आती है -
  - पाली, सोजत, मारवाड़ जंक्शन, सुमेरपुर, बाली, रोहट, देसूरी, रानी
- इस जिले में **पालीवाल ब्राह्मणों** आबादी ज्यादा होने के कारण इसका नाम **पाली** पड़ा।
- पाली लजीले के **सोजत** तहसील की **मेहंदी** विश्व प्रसिद्ध है।
- पाली में महाराजा उम्मेद मिल्स लिमिटेड(निजी सुती मिल) स्थित है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - रणकपुर का सूर्य मन्दिर(सूर्य नारायण मंदिर), रणकपुर के जैन मंदिर (1444 विशाल खंम्भें), परशुराम गुफा, निंबोका नाथ मन्दिर, सोमनाथ मंदिर, सोजत का किला, जवाई बांध, समंद झील (सरदार समंद), सरदार समंद लेक पैलेस, ओम बन्ना धाम

(ii) जालौर

- जालौर को की **सुवर्ण नगरी/स्वर्णगिरी** और **ग्रेनाइट सिटी** के नाम से भी जाना जाता है।

(VDO Mains – 2022)

- जालौर का 'जाबालिपुर' के नाम से जाना जाता था

(CET Graduation -2023)

- इस जिले में अन्तर्गत निम्नलिखित **6 तहसील** आती है -
  - जालौर, आहोर, भाद्राजून, सायला, भीनमाल, जसवन्तपुरा
- जालौर जिले के पुनर्गठन से **सांचौर** नवीनतम जिला बनाया गया है।
- जालौर गुर्जर प्रतिहार वंश के **सम्राट नागभट्ट प्रथम** की राजधानी भी रही है।
- **नागभट्ट प्रथम** ने 8 वीं शताब्दी **जालौर दुर्ग** का निर्माण कराया था।
- यहां पर **जाल वृक्षों** की अधिकता के कारण इस जिले का नाम जालौर रखा गया है।
- जालौर का **भाद्राजून** दुर्ग **मारवाड़ शासको** की **शरणस्थली** रहा है।
- **पर्यटन एवं धार्मिक स्थल** - जालौर का दुर्ग (अन्य नाम - सोहनगढ और सवर्णगिरी,गोल्डन माउंट, कनकाचल), परमार कालीन कीर्ती स्तंभ, कान्हणदेव की बावणी, वीरमदेव की चौकी, जैन मंदिर एवं मल्लिकाशाह की दरगाह, तोपखाना मस्जिद (परमार राजा भोज द्वारा निर्मित संस्कृत पाठशाला), महर्षि जाबली मंदिर (श्री मंदिर), सुंधा माता मंदिर, भीनमाल व एलाना सभ्यताएं, बांकली बांध, आशापुरा देवी (महोदरी मंदिर - सोनगरा चैहानों की कुल देवी)

(iii) सांचौर (नवीनतम जिला) -

- इस जिले का निर्माण **जालौर जिले** के पुनर्गठन से हुआ है।
- इस नवीनतम जिले में निम्न लिखित **4 तहसीलों** को शामिल किया है -
  - सांचौर, बागौड़ा, चितलवाना, रानीवाड़ा
- सांचौर का प्राचीन नाम **सत्यपुर, सच्चउर** था।